Dainik DEVVRAT

दैनिक देवव्रत

www.dainikdevvrat.in

आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 204
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
22 अप्रैल 2026, बुधवार

लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित

E-mail : dainikdevvrat@gmail.com | राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | 1

केरल के त्रिशूर में पटाखा निर्माण फैक्टरी में विस्फोट, 13 की मौत

त्रिशूर, 21 अप्रैल (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे।बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 5 लोगों की हालत बेहद ही गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम आठ की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके। विस्फोट के बाद इलाके में घना धुआं और आग फैल गई, जिससे बचाव कार्यों में भी कठिनाई आई। घटनास्थल पर मौजूद अधजले और बिना फटे विस्फोटकों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ। पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज

कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे धमाके की तीव्रता और वहां मौजूद विस्फोटक सामग्री के पैमाने का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य संचालित केआईएलए के कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाके की आवाज सुनी और पहले उन्हें लगा कि यह भूकंप हैझ एक अधिकारी ने बताया, "बाद में जब हम चाय के लिए बाहर आए, तब हमें पता चला कि यह विस्फोट था।यह हादसा त्रिशूर पूरम की तैयारियों के चरम के दौरान हुआ है, जब एक दिन पहले ही ध्वजारोहण के साथ उत्सव की औपचारिक शुरुआत हुई थी। फिलहाल विस्फोट के सटीक कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन जांच में पटाखा सामग्री के भंडारण और हैंडलिंग में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

विस्फोट के बाद आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है और कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ है।प्रशासन अब पटाखा निर्माण और भंडारण से जुड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने की तैयारी में है, क्योंकि त्रिशूर पूरम के दौरान बड़े पैमाने पर आतिशबाजी होती है, जिसके लिए सख्त निगरानी और नियमों का पालन जरूरी होता है।

फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें अभी भी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं और हालात को काबू में लाने का प्रयास कर रही हैं।इलाके को पूरी तरह घेर लिया गया है और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक घटनास्थल के आसपास न जाएं। जिले के वरिष्ठ अधिकारी हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जबकि मेडिकल टीमें घायलों का इलाज आपात आधार पर कर रही हैं। केरल के त्रिशूर में हुए पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिशूर से सांसद और केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी को तुरंत मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए सुरेश गोपी ने कहा कि वह दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना हो चुके हैं और कोच्चि की फ्लाइट पकड़ेंगे। उन्होंने बताया कि वह रात करीब 11 बजे कोच्चि पहुंचेंगे, जिसके बाद सड़क मार्ग से त्रिशूर जाएंगे। साथ ही, हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहत राशि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। इसके अलावा, हादसे में घायल हुए लोगों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

वहीं, हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सुरेश गोपी ने कहा, "यह त्रासदी बेहद दुखद है। मैं जो सुन रहा हूं, उस पर यकीन करना मुश्किल है। मेरे पास इसे बयान करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता प्रभावित क्षेत्र में पहुंचकर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय करना है। बताया जा रहा है कि त्रिशूर के मुंडाथिक्कोडु इलाके में त्रिशूर पूरम उत्सव की तैयारियों के दौरान एक पटाखा निर्माण इकाई में जोरदार विस्फोट हुआ। इस हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

सांसदों के 'अपमान' पर पीएम के खिलाफ कांग्रेस ने दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रिविलेज नोटिस यानी विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। विशेषाधिकार हनन का मतलब है कि संसद के सदस्य के अधिकारों का अपमान किया गया या गलत आरोप लगाया गया। कांग्रेस का आरोप है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में सांसदों की स्वतंत्रता और ईमानदारी पर उंगली उठाई और उनकी वोटिंग पर गलत मंशा बताई, जो संसद के नियमों का साफ–साफ उल्लंघन है। कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को यह नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि प्रधानमंत्री का 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम 29 मिनट का संबोधन 'सत्ता का खुला दुरुपयोग' है और यह संसद की गरिमा को ठेस पहुँचाता है। लोकसभा में 17 अप्रैल को संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 पर वोटिंग हुई। यह विधेयक महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33: आरक्षण जल्द लागू करने और लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 850 करने से जुड़ा था। लेकिन इसे दो–तिहाई बहुमत नहीं मिला। 528 सांसदों में से 298 ने पक्ष में और 230 ने विपक्ष में वोट किया। संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत ज़रूरी दो– तिहाई बहुमत न मिलने से विधेयक पास नहीं हो सका।

इसके अगले दिन यानी 18 अप्रैल की रात प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी जैसे विपक्षी दलों पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों की 'भ्रूण हत्या' कर दी है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि उन्होंने संकीर्ण राजनीति के कारण महिलाओं के सपनों को कुचल दिया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस प्रिविलेज नोटिस को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, मेरे लोकसभा में वरिष्ठ सहयोगी के.सी. वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपनी बुरी योजना के विफल होने के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन दिया था। उन्हें इस हार की बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। हार की वजह थी– पूरे विपक्ष का एकजुट होकर साथ खड़ा होना। प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को संबोधन हमेशा सिर्फ देश की एकता और लोगों में विश्वास बढ़ाने के लिए ही दिया जाता रहा है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में खुलेआम पक्षपातपूर्ण और भड़काऊ भाषण दिया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर 59 बार अलग–अलग हमले किए। यह उनके प्रधानमंत्री काल पर एक और स्थायी दाग होगा।श

के.सी. वेणुगोपाल ने नोटिस में लिखा, श्प्रधानमंत्री ने विपक्षी सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सीधा टिप्पणी की और उनकी मंशा पर सवाल उठाया। सांसदों पर यह कहना कि उन्होंने संविधान की रक्षा नहीं की, बल्कि महिलाओं के साथ अन्याय किया। यह सांसदों की स्वतंत्रता और ईमानदारी पर अस्पष्ट टिप्पणी है। उन्होंने आगे कहा, 'संसद की पुरानी परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के आचरण या वोटिंग पर बाहर से टिप्पणी नहीं की जा सकती है, खासकर प्रधानमंत्री जैसे उच्च पद वाले व्यक्ति द्वारा। यह संसद की गरिमा और सांसदों के स्वतंत्र रूप से काम करने के अधिकार का उल्लंघन है।श वेणुगोपाल ने कहा, यह अभूतपूर्व और अनैतिक है कि प्रधानमंत्री संसद में बहुमत न मिलने पर राष्ट्र के नाम संबोधन देकर विपक्ष की आलोचना करें। इससे साफ़ है कि उन्होंने सत्ता का दुरुपयोग किया है। संसद के सदस्यों को कुछ प्रिविलेज यानी विशेषाधिकार मिले हैं ताकि वे बिना डर के बहस कर सकें। अगर कोई व्यक्ति और यहां तक कि प्रधानमंत्री भी सांसदों पर गलत आरोप लगाए या उनकी मंशा पर शक करे, तो इसे विशेषाधिकार हनन माना जाता है। स्पीकर इस नोटिस पर विचार कर सकते हैं और अगर ज़रूरी हुआ तो प्रिविलेज कमेटी को भेज सकते हैं।

स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को लूट रही है भाजपा सरकार-अखिलेश

सत्ता में रहकर विपक्ष के लिए कर रही है रिहर्सल

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर बेहद आक्रामक हमला बोलते हुए कहा कि "सरकार में रहते हुए भाजपा विपक्ष में बैठने की प्रैक्टिस कर रही है, क्योंकि उसे साफ दिख रहा है कि 2027 में वह सत्ता से बाहर होने जा रही है।" उन्होंने तंज कसा कि अपने ही बनाए कानून के लिए जिस तरह यह सरकार संघर्ष कर रही है, वैसा उदाहरण पहले कभी नहीं देखा गया।

मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न दलों से आए नेताओं को शामिल कराने के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने दावा किया कि "इतिहास में पहली बार पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) एकजुट होकर भाजपा को हराने जा रहा है।" उन्होंने कहा कि पीडीए परिवार की ताकत भाजपा को सत्ता से बेदखल करेगी और उसके बाद वह दोबारा सत्ता में लौटने की स्थिति में नहीं रहेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा साजिश और षड्यंत्र की राजनीति करती है, जबकि समाजवादी विचारधारा हमेशा महिलाओं के अधिकार और आरक्षण के पक्ष में खड़ी रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में पारित महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा नेता झूठ फैला रहे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं। "भाजपा झूठ बोलने में हिटलर राज से भी आगे निकल गई है," उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पूरी सरकार प्रोपेगेंडा पर चल रही है, लेकिन अब जनता इसे समझ चुकी है।

जातीय जनगणना के मुद्दे पर उन्होंने भाजपा को घेरते हुए कहा कि "जब आरक्षण आबादी के हिसाब से मिलना है, तो गिनती के बिना हक कैसे मिलेगा? भाजपा जानबूझकर सच्चाई से भाग रही है।" महिला सुरक्षा को लेकर उन्होंने प्रदेश सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध सबसे ज्यादा हैं। "1090 वूमेन पावर लाइन और 102 एम्बुलेंस जैसी योजनाओं को बर्बाद कर दिया गया है," उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपराध छिपाने में लगी है, रोकने में नहीं। गाजीपुर की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलेगा और हर संभव कानूनी व आर्थिक मदद देगा। वहीं नोएडा के मजदूरों के मुद्दे पर उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि मजदूरों को दबाया जा रहा है, उन पर मुकदमे दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है, जबकि उन्हें उचित मजदूरी तक नहीं मिल रही।

अखिलेश यादव ने अंत में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि "इस सरकार में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। बिजली विभाग में बड़े पैमाने पर घोटाले हो रहे हैं, स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को लूटा जा रहा है।" उन्होंने आरोप लगाया कि बार–बार मीटर बदलकर घोटाले को अंजाम दिया जा रहा है और सरकार पूरी तरह जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है।

बंगाल चुनाव : अब बाइकों को लेकर आयोग ने लगाई पाबंदियां

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण (23 अप्रैल) और दूसरे चरण (29 अप्रैल) से ठीक पहले चुनाव आयोग ने राज्य में अभूतपूर्व सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। इनमें दोपहिया वाहनों पर सख्त पाबंदियां, शराब की 96 घंटे की बैन और लगभग 2.4 लाख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) जवानों की तैनाती शामिल है। चुनाव आयोग का दावा है कि ये कदम हिंसा–मुक्त, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने इसे 'बीजेपी की साजिश' और 'चुनाव में दखलंदाजी' बताया है। विपक्षी दल ने केंद्रीय बलों की तटस्थता पर सवाल उठाए हैं। चुनाव आयोग ने मतदान से दो दिन पहले (पहले चरण के लिए मंगलवार से और दूसरे चरण के लिए 27 अप्रैल से) रात 6 बजे से सुबह 6 बजे तक मोटरसाइकिलों को सड़कों पर चलने की पूरी तरह मनाही लगा दी है। दिन के समय (सुबह 6 से शाम 6 बजे) पिलियन राइडर (दूसरे सवार) की अनुमति नहीं होगी, सिवाय मेडिकल इमरजेंसी, पारिवारिक कार्यक्रम या स्कूल से बच्चों को छोड़ने–लेने के। आयोग के एक अधिकारी ने कहा, "बाइक सवारों द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने या नकद–शराब पहुंचाने से रोकने के लिए ये कदम उठाए गए हैं। संकरी गलियों से गुजरने वाली बाइक नाकेबंदी (नाका चेक) को चकमा दे सकती है।" आयोग ने स्पष्ट किया कि ये पाबंदियां पूरे राज्य में लागू हैं। साथ ही सोमवार से 96 घंटे की शराब बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है, क्योंकि अप्रैल 2026 में शराब की बिक्री में 'असामान्य उछाल' देखा गया था। पुरबा मेदिनीपुर जिले के दीघा में पर्यटकों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है और होटल मालिकों को जिले के बाहर के लोगों को ठहराने की मनाही है।

चुनाव आयोग ने 2026 विधानसभा चुनाव के लिए 2,407 कंपनियों (करीब 2.4 लाख जवान) की CAPF तैनाती की है, जो हाल के वर्षों में सबसे बड़ी है। पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। तैनाती मार्च की शुरुआत से ही शुरू हो चुकी है और क्षेत्र–प्रभाव (rea domination) अभ्यास चल रहे हैं। मतदान के बाद 500 कंपनियां राज्य में रहेंगी, जबकि 200 कंपनियां वोटिंग मशीनों और गिनती केंद्रों की सुरक्षा करेंगी। 20 अप्रैल को कोलकाता में CRPF, BSF, CISF, SSB और प्ज्ठच के सभी प्रमुखों की संयुक्त बैठक हुई। जो किसी राज्य चुनाव के लिए अभूतपूर्व है। बैठक का मकसद 'एकीकृत सुरक्षा ग्रिड' बनाना था। आयोग ने AI–सक्षम CCTV और GPS ट्रैकिंग का भी इस्तेमाल करने का फैसला किया है। चुनाव आयोग ने दो चरणों में मतदान और 2021 चुनाव के बाद हुई हिंसा को तैनाती का आधार बताया है। कई बूथों को 'संवेदनशील' या 'अति– संवेदनशील' घोषित किया गया है। TMC ने इन उपायों को 'बीजेपी–समर्थित' बताया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि "केंद्रीय एजेंसियां पक्षपाती तरीके से काम कर रही हैं। बीजेपी से जुड़े चौनलों के जरिए पैसे और नशीले पदार्थ केंद्रीय बलों की मदद से राज्य में लाए जा रहे हैं।" मालदा में केंद्रीय बलों और पुलिस ने TMC कार्यकर्ताओं के घरों पर छापे मारे और धमकियां दीं। एक कार्यकर्ता यूसुफ अली (बहादुर) के घर जाकर उनकी बीमार मां को डराया गया। TMC सांसद महुआ मोइत्रा ने X पर लिखा, "बीजेपी के पालतू आईपीएस अधिकारी चुनाव में दखल देने के लिए कोलकाता पहुंचे हैं।"

सबंग में एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें CAPF जवान ने TMC नेता को थप्पड़ मारा। TMC ने इसे 'बहुत ज्यादा' कार्रवाई बताया। बीजेपी ने TMC के आरोपों को 'कानून–व्यवस्था की असफलता से ध्यान भटकाने की कोशिश' करार दिया। मुर्शिदाबाद में CRPF के एक हेड कांस्टेबल ने आत्महत्या का प्रयास किया, जो बलों पर पड़े तनाव को दर्शाता है। CAPF की तैनाती से स्कूल–कॉलेजों में परीक्षाएं प्रभावित हुईं; कई संस्थानों ने 4 मई (गिनती के दिन) के बाद भी कक्षाएं खाली न होने की शिकायत की। कुछ विश्लेषकों ने सीएपीएफ जवानों की तैनाती को 'अनुपात हीन' बताया। 2024 में मणिपुर में जातीय हिंसा के दौरान मात्र 288 CAPF कंपनियां तैनात की गई थीं, जबकि पश्चिम बंगाल में शांतिपूर्ण चुनाव के लिए 2,407 कंपनियां भेजी जा रही हैं। आलोचकों का कहना है कि केंद्र–शासित CAPF का इस स्तर का इस्तेमाल TMC शासित राज्य में 'केंद्र सरकार की मौजूदगी बढ़ाने' जैसा लगता है। मतदाताओं पर 'दबाव' का संदेश भी जा सकता है। टीएमसी नेताओं का कहना है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस ऑपरेशन को खुद देख रहे हैं।

प्रदेश के सचिवालय में बड़ा फेरबदल, 17 विशेष सचिव और 13 संयुक्त सचिव का हुआ तबादला

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को सचिवालय सेवा के 17 विशेष सचिव और 13 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों का तबादला कर दिया। इन सभी के विभागों में बदलाव करते हुए तत्काल कार्यभार ग्रहण करने का आदेश दिया गया है। आदेश के मुताबिक विशेष सचिव के तबादलों में विनोद कुमार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से सचिवालय प्रशासन विभाग भेजा गया है। इसी तरह प्रसात कुमार को चिकित्सा शिक्षा से ऊर्जा, आनंद प्रकाश सिंह को ग्रामीण अभियंत्रण से दिव्यांगजन सशक्तिकरण, लाल बहादुर यादव को कृषि से उपभोक्ता मामले, विनय कुमार सिंह को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से धर्मार्थ कार्य में किया गया। इसी तरह विनीत प्रकाश को नियुक्ति से सार्वजनिक उद्यम, जय प्रकाश भारती को सूचना से खादी एवं ग्रामोद्योग, सुनील कुमार पांडेय को एमएसएमई से समाज कल्याण, अनिल कुमार को राजस्व से सहकारिता, मंजुला सिंह को गृह से अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, वेद प्रकाश द्विवेदी को गृह से राजनीतिक पेंशन, महावीर प्रसाद गौतम को वित्त से नागरिक सुरक्षा, प्रेम कुमार पांडेय को वित्त से सचिवालय प्रशासन, उमा द्विवेदी को संस्कृति से परिवहन, आनंद कुमार राय को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से रेशम विकास, रंजन शुक्ला को ऊर्जा से प्रशासनिक सुधार तथा राजाराम द्विवेदी को राजस्व से लोक सेवा प्रबंधन विभाग भेजा गया है। वहीं संयुक्त सचिव रैंक के अधिकारियों के तबादले में अमिताभ श्रीवास्तव को आवास एवं शहरी नियोजन से गृह, दिलीप कुमार शुक्ला को भू–तत्व एवं खनन से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, दुर्गा सिंह को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास से नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति, रविंद्र प्रताप सिंह को पशुधन से सैनिक कल्याण, चंद्रशेखर मिश्रा को चिकित्सा शिक्षा से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजेश प्रताप सिंह को पीडब्ल्यूडी से रेशम विकास, धर्मेंद्र कुमार पाठक को पीडब्ल्यूड से राजस्व, राजकुमार को औद्योगिक विकास से संस्कृति, अजित प्रताप सिंह को खाद्य विभाग से ग्राम्य विकास, उदयवीर सिंह राठौर को परती भूमि विकास से सचिवालय प्रशासन, कृपा शंकर यादव को न्याय विभाग से कार्यक्रम कार्यान्वयन, राजेंद्र कुमार को वित्त से पर्यटन और संजीवन को वित्त से गृह विभाग भेजा गया है।

मणिपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान नगा और कुकी समुदायों के बीच झड़प

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में मंगलवार (21 अप्रैल) को दो आदिवासी समुदायों के बीच झड़पें हुईं। ऐसा तब हुआ जब स्थानीय पुलिस द्वारा सेनापति और उससे सटे कांगपोकपी जिलों की सीमा पर विरोध स्वरूप लगाए गए सड़क अवरोध को हटाने की कोशिश की। यह बंद यूनाइटेड नगा परिषद (यूएनसी) ने बुलाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों बताया कि यह सड़क अवरोध नगा वालिंटयर्स द्वारा लगाया गया था, ताकि 18 अप्रैल को उखरुल जिले में दो लोगों की हत्या के विरोध में तीन दिन के बंद को लागू किया जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि स्थिति तब और बिगड़ गई चांगौबुंग कुकी गांव के लोगों ने नाकाबंदी हटाने की कोशिश, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाज़ी शुरू हो गई। अधिकारी ने कहा, 'इस हंगामे के दौरान कुछ राउंड गोलियां भी चलीं. हालांकि, यह साफ नहीं है कि गोलियां किसने चलाईं।' स्थानीय खबरों के अनुसार, तांगखुल नगा समूहों ने आरोप लगाया है कि वहां हथियारबंद कुकी लोग मौजूद थे और गोलीबारी चागौबुंग की तरफ से हुई थी। वहीं, नगा संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा है कि जिस शांतिपूर्ण विरोध को बाधित किया गया, उसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी ओर, कुकी इनपी मणिपुर ने कुकी गांवों की ओर गोलीबारी की खबरों पर चिंता जताई है। संगठन ने अपने बयान में संयम बरतने की अपील की और बंद समर्थकों से ऐसे कदमों से बचने को कहा जो आम नागरिकों के लिए खतरा बन सकते हैं। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने और शांति बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि घटनाक्रम की पूरी जानकारी जुटाने और जिम्मेदार लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। यूएनसी द्वारा बुलाए गए इस तीन–दिवसीय बंद ने राज्य के सभी नगा–बहुल इलाकों जिनमें उखरुल, कामजोंग, सेनापति, नोनी और तामेंगलोंग शामिल हैं– में सामान्य जनजीवन को पूरी तरह से ठप कर दिया है। यह बंद 18 अप्रैल को उखरुल में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा कथित तौर पर किए गए एक हमले के विरोध में बुलाया गया है, जिसमें दो तांगखुल नगाओं (जिनमें एक पूर्व सैनिक भी शामिल था) की हत्या कर दी गई थी। बता दें कि बीते 10 अप्रैल को उखरुल जिले के लितान क्षेत्र में कथित उग्रवादियों की बिना उकसावे की गोलीबारी में बीएसएफ का एक जवान मारा गया। उखरुल का नगा–बहुल लितान क्षेत्र 7 फरवरी से नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा और आगजनी की घटनाएं हुईं थीं, जिनमें दोनों पक्षों के 30 से अधिक घर जलकर नष्ट हो गए थे।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक आजमगढ़

' मगर सब थे दरबारी '

तानसेन, फैजी, फजल,
टोडर, मान, रहीम।
थे सब अच्छे हृदय के,
नामी वीर फहीम।
मगर सब थे दरबारी।

धीरू भाई का दो टूक
22 अप्रैल 2026

आयुष म्हात्रे की चोट ने बढ़ाई CSK की टेंशन

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। आईपीएल 2026 में कई फ्रेंचाइजियों को खिलाड़ियों की चोट ने परेशान किया है। टूर्नामेंट की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ऐसा मामला नहीं था, लेकिन टूर्नामेंट के बीच में सीएसके भी इसकी चपेट में आ गई है। चेन्नई सुपर किंग्स को तीसरा बड़ा झटका लगा है। नाथन एलिस और खलील अहमद के बाद अब इन फॉर्म बल्लेबाज आयुष म्हात्रे भी आईपीएल के बाकी बचे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सीएसके ने इसकी पुष्टि कर दी है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच के दौरान म्हात्रे के हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था और उन्हें डॉक्टर्स ने छह से 12 हफ्तों तक आराम करने की सलाह दी है। अब सवाल यह है कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ 23 अप्रैल को वानखेड़े में होने वाले मैच में कौन खेलेगा? सीएसके को एक बार फिर नई प्लेइंग–11 के साथ उतरना पड़ेगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में लोचन राम था जिसे बदलकर मैंने लोचन कर लिया है। भविष्य में मुझे **लोचन** नाम से जाना, पहचाना जाए। लोचन पुत्र महादेव निवासी ग्राम हैदराबाद उर्फ छतवारा पोस्ट चण्डेश्वर थाना सिधारी जनपद आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधारकार्ड सं. 721444292984 में मेरा नाम ताड़केश्वेर देवी दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि मेरा सही नाम **केशरमती देवी** पत्नी रमेश राय पुत्री रामाशीष राय निवासी ग्राम जमीन इसरपार पोस्ट सोढ़री थाना तहबरपुर जनपद आजमगढ़। यही नाम मेरे शैक्षिक अभिलेख भी दर्ज है। इसे सुधारा जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम MOHAMMAD ATTIQUE YAQUB KHAN था जिसे बदलकर मैंने MOHD ATIK (मो. अतीक) कर लिया है। भविष्य में मुझे **MOHD ATIK** (मो. अतीक) नाम से जाना, पहचाना जाए। MOHD ATIK (मो. अतीक) पुत्र याकूब खान हाजी वरिस निवासी ग्राम पुरानूरम पोस्ट मुण्डवर थाना फूलपुर तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सगड़ी, आजमगढ़
धारा 24 उप्ररासं 2006 मौजा बेरमा

रामकुंवर बनाम ग्राम पंचायत

बनाम–इसरावती पत्नी बेचन 2. उपेन्द्र व चन्द्रशेखर व धीरेन्द्र व विरेन्द्र व सूरज व सूर्यशेखर पुत्रगण बेचन 3. कौलू पुत्र बाढू 4. साफी पुत्र मोतीलाल 5. गौतम व पल्टी व रामभवन व राहुल पुत्रगण वीपत 6. जयप्रकाश पुत्र कल्पू 7. आद्या व हरेन्द्र व सुरेन्द्र व उपेन्द्र पुत्रगण हरिवंश 8. दीपक पुत्र महेश साकिनान बेरमा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 9. सुनीता पत्नी विनोद 10. सरोज पत्नी विरेन्द्र प्रताप साकिन ओरा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 11. शोभनाथ पुत्र खुरमुल्ली 12. अजय कुमार व अनिल कुमार व अभय कुमार व प्रमोद कुमार पुत्रगण विजयबहादुर 13. हरिकेश व अवधेश पुत्रगण सुमेर 14. सुला देवी पत्नी सुमेर साकिनान बेरमा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 15. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत बेरमा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 22 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 21 माह 04 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. टी 202515060611157
धारा 116 उप्ररासं 2006 मौजा लोहरा

इन्द्रेश बनाम कमक्षा आदि

बनाम–कमक्षा प्रसाद पुत्र लालचन्द 2. वायुनन्दन पुत्र लालचन्द 3. श्रीमती राज किशोरी पत्नी लालचन्द 4. जनार्दन पुत्र रमाकान्त 5. दलसिंगारी पत्नी रमाकान्त साकिन लोहरा परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत लोहरा परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 7. भारत सरकार सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जिलाधिकारी आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 28 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम SHAMA PRAVEEN AASIF था जिसे बदलकर मैंने SHAMA PARVEEN (शमा परवीन) कर लिया है। भविष्य में मुझे SHAMA PARVEEN (शमा परवीन) नाम से जाना, पहचाना जाए। SHAMA PARVEEN (शमा परवीन) पत्नी मोहम्मद आसिफ निवासी ग्राम बाराकला पोस्ट व थाना खेतासराय तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट न. P0036648 मेरे पिता का नाम मोहम्मद सुलेमान (MOHAMMAD SULEMAN) दर्ज हो गया है। जो गलत है जबकि मेरे पिता का सही नाम सैयाद खान (SAIYAD KHAN) है। इसे सुधारा जाये। **मोहम्मद शफीक खान (MOHAMMAD SHAFEEQUE KHAN)** पुत्र सैयाद खान (SAIYAD KHAN) निवासी ग्राम व पोस्ट शाहगढ़ थाना सिधारी जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. 126
धारा 21/24 उप्ररासं 2006 मौजा लेदौरा

हंसा बनाम अर्जुन

बनाम–भगवानदेई स्त्री चैतू 2. कोमल पुत्र लौटू 3. पतिराम पुत्र रामअवध 4. कमलेश पुत्र हरिदास 5. उपेन्द्र पुत्र चैतू साकिनान लेदौरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत लेदौरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 28 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 21/24 उप्ररासं 2006 मौजा मादेपुर

श्यामदवर बनाम गांवसभा आदि

बनाम–केवल पुत्र त्रिभुवन 2. राजेन्द्र 3. बहादुर 4. महेन्द्र पुत्रगण हरख 5. रामआसरे पुत्र त्रिभुवन 6. अमरजीत 7. स्वामीनाथ पुत्रगण रामदवर साकिनान मादेपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 29 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 15 माह 04 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 134 उप्ररासं 2006 मौजा मेहियापार

श्री रामकृष्ण जू.हा. स्कूल
बनाम
जीत नरायन आदि

बनाम– जीतनरायन 2. अमरजीत पुत्रगण तीरथराज साकिन काजीपट्टी 3. केवला पत्नी सुबाष साकिन नियामतुल्लापुर 4. अनिल कुमार 5. अमित कुमार पुत्रगण रामकृपाल 6. विमला देवी पत्नी रामकृपाल साकिन मेहियापार परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 7. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत मेहियापार परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। 8. उ.प्र. सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 28 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 17 माह 04 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) सदर, आजमगढ़
धारा 116 उप्ररासं 2006 मौजा अईनिया तहसील सदर जनपद आजमगढ़

शिव प्रसाद बनाम ओमप्रकाश

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 27 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं. टी 202515060610214
धारा 116 उप्ररासं 2006 मौजा भरौली

राजेन्द्र प्रसाद पुत्र रामफेर साकिन हुसेपुर रामजियावन परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

रविन्द्र 2. अनिल 3. रामचन्दर 4. भानुप्रताप 5. विरेन्द्र पुत्रगण रामचेत साकिन हुसेपुर रामजियावन परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत भरौली परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
वाद सं0 35
धारा 116 उप्ररासं 2006 मौजा गोसाईपुर

सुबेदार गोंड आदि बनाम दुईज आदि

बनाम– दुईज पुत्र कन्ता साकिन गोसाईपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 2. अजय पुत्र खेताऊ ग्राम भवानी पट्टी 3. परमजीता देवी पत्नी फागू 4. जियालाल पुत्र फागू 5. झुलरा पत्नी बहादुर 6.सुभाष गोंड पुत्र बहादुर 7. विश्वनाथ 8. देवनाथ पुत्रगण बेलाल 9. गोरखनाथ 10. ताड़कनाथ पुत्रगण श्यामलाल 11. इन्द्रावती पत्नी श्यामलाल 12. अजय पुत्र राजाराम 13. दिनेश पुत्र राजाराम 14. विजय पुत्र राजाराम 15. नर्वदा पत्नी राजाराम 16. अंकिता पुत्री बृजेश संरक्षिका माता अन्जू 17. आदित्य पुत्री बृजेश संरक्षिका माता अन्जू 18. अन्जू पत्नी बृजेश 19. राजनाथ पुत्र मोती 20. शारदा पत्नी मोती 21. पिन्टू 22. मनदीप 23. दिलीप पुत्रगण रामनाथ 24. फूलमती पत्नी रामनाथ साकिनान गोसाईपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 25. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत गोसाईपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 21/24 उप्ररासं 2006 मौजा नरफोरा

अशोक कुमार बनाम मूलचन्द्र आदि

बनाम–मूलचन्द पुत्र दुइज 2. प्रहलाद पुत्र दुक्खू 3 दीपचन्द्र पुत्र दुइज साकिन नरफोरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 4. ग्रामसभा बजरिये प्रधानग्राम पंचायत नरफोरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 17 माह 04 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा बी.एस.सी. वर्ष 2021 अनुक्रमांक 181090105157 का अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **पिन्टू प्रजापति** पुत्र सुमेर प्रजापति निवासी ग्राम बेलहता पोस्ट चण्डेश्वर तहसील सदर जनपद आजमगढ़

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्ररासं 2006 मौजा भैंसौड़ा

अशोक बनाम संजय

बनाम– संजय 2. सुनील 3. अनिल पुत्रगण अवधनरायन 4. इन्द्रपति पत्नी अवधनरायन साकिन मानपुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 5. ललिता पत्नी श्रवण कुमार साकिन सियरहा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 6. श्रीमती गुड़िया देवी पत्नी जयगोविन्द साकिन पट्टी मु. काजीपुर तहसील घोसी जनपद मऊ 7. दुर्गा प्रताप यादव 8. हरिकृष्ण यादव पुत्रगण बलिहारी साकिन सियरहा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 9. ग्राम पंचायत जरिए प्रधान ग्राम पंचायत भैंसौड़ा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 09 माह 04 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्ररासं 2006 मौजा मानपुर

अशोक बनाम बेदवान

बनाम– बेदवान पुत्र जलेश्वर 2. गायत्री पत्नी जलेश्वर 3. सरिता पत्नी सन्तोष 4. आशुतोष पुत्र सन्तोष 5. अनिल 6. संजय 7. सुनील पुत्रगण अवधनरायन 8. इन्द्रपति पत्नी अवधनरायन 9. प्रमोद पुत्र राजेश्वर 10. जगविदित पुत्र राजेश्वर साकिनान मानपुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 11. ग्राम पंचायत जरिए प्रधान ग्राम पंचायत मानपुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 09 माह 04 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय ग्रामीण न्यायालय मेंहनगर, आजमगढ़
इजरा नं. 01/2026

चन्द्रदेव बनाम भोला आदि

बनाम–भोला पुत्र विदेशी 2/1. मुराही वेवा स्व. सहबली 2/2. रामवृक्ष 2/3. रामकिरत 2/4. मुन्ना उर्फ बबलू 2/5. राजेश उर्फ डब्लू पुत्रगण स्व. सहबली 3/1. जगमोहन 3/2. रामजी पुत्रगण स्व. बाढ़ू साकिनान बैरीडीह तप्पा दखिनहां परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —मदयूनान डिग्री

चूंकि उपरिनामांकित डिग्रीदार ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 04 के 28 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

28.04.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 2026 के 04 के 18 दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
ग्रामीण न्यायालय मेंहनगर, आजमगढ

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (जू.डि.)
जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 877/2025

रामप्रसाद बनाम कुसुम

बनाम–श्रीमती कुसुम पत्नी माता दयाल पटेल 2. माता दयाल पटेल पुत्र रामसूरत 3. राजदेव पुत्र रामकिशोर साकिन तरसपुर परगना घिसुआ तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 04 के 24 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

24.04.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
सिविल जज (जू.डि.) जौनपुर, जनपद जौनपुर

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम MOHAMMAD FIROZ था जिसे बदलकर मैंने KALLU (कल्लू) कर लिया है। भविष्य में मुझे **KALLU (कल्लू)** नाम से जाना, पहचाना जाए। KALLU (कल्लू) पुत्र मो. इस्माइल निवासी मोहल्ला दिलाजक पोस्ट सदर थाना कोतवाली तहसील सदर जनपद जौनपुर।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 877/2025

रामप्रसाद बनाम कुसुम

बनाम–श्रीमती कुसुम पत्नी मातादयाल पटेल 2. माता दयाल पटेल पुत्र रामसूरत 3. राजदेव पुत्र रामकिशोर साकिन तरसपुर परगना घिसुआ तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 24 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 24–04–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.) जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 1872/2022

रामस्वारथ बनाम सोना देवी

बनाम–सोना देवी उर्फ सोहना देवी उम्र करीब 65 वर्ष पत्नी स्व. रामसकल निवासी मौजा बरबसपुर परगना रारी तहसील सदर जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 30–04–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.) शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (सी.डि.)
जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 1149/2025

सत्येन्द्र सिंह बनाम उदयराज

बनाम– उदयराज उम्र करीब 75 वर्ष 2. प्रहलाद उम्र करीब 65 वर्ष पुत्रगण रामखेलावन यादव निवासीगण चवरी परगना रारी तहसील बदलापुर जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 05 के 04 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

04.05.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
सिविल जज (सी.डि.) जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (जू.डि.)
जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 632/2025

लालमनि बनाम बफाती

बनाम–बफाती उम्र करीब 45 साल पुत्र स्व. छंगूशाह निवासी ग्राम रज्जूपुर पोस्ट रज्जूपुर परगना घिसुआ तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 04 के 27 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

27.04.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
सिविल जज (जू.डि.) जौनपुर, जनपद जौनपुर

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम फरयाल (FARYAL) था जिसे बदलकर मैंने सारा फरियाल (SARA FARIYAL) कर लिया है। भविष्य में मुझे फरियाल (SARA FARIYAL) नाम से जाना, पहचाना जाए। फरियाल (SARA FARIYAL) पुत्र मोहम्मद निवासी ग्राम एरकियाना पोस्ट व थाना शाहगंज तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 632/2025

लालमनि बनाम बफाती

बनाम–बफाती उम्र करीब 45 साल पुत्र स्व. छंगूशाह निवासी ग्राम रज्जूपुर पोस्ट रज्जूपुर परगना घिसुआ तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 27 माह 04 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 27–04–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.) जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत अपर सिविल जज (जू.डि.)
तृतीय जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 302/2013

तीर्थराज बनाम राजकिशोर

बनाम–राजकिशोर उम्र करीब 60 साल पुत्र बेनी माधो 2. माता प्रसाद वयस्क पुत्र गिरजाशंकर साकिन मौजा रामपुर हरिगिरि परगना घिसुआ तहसील मछलीशहर जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 05 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 01–05–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
अपर सिविल जज (जू.डि.)
तृतीय जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

बअदालत जे.एम./एफ.टी.सी/(महिलाओं के विरूद्ध अपराध) मऊ, जनपद मऊ
प्रा.प.सं. 1372/2025

आराधना चौरसिया उम्र करीब 25 वर्ष पत्नी अखिलेश चौरसिया ग्राम पड़सरा थाना उभांव जनपद बलिया हाल मुकामा विश्वनाथ चाली सोनीतपुर असम व साकिन रईसा थाना कोपागंज जनपद मऊ। —आवेदिका/पीड़िता

बनाम

अखिलेश चौरसिया उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र रामदुलार चौरसिया (पति) 2. रामदुलार चौरसिया उम्र करीब 60 वर्ष पुत्र अज्ञात (ससुर) 3. विंदा देवी उम्र करीब 50 वर्ष पत्नी रामदुलार चौरसिया (सास) 4. रानी उम्र करीब 30 वर्ष पुत्री रामदुलार चौरसिया (ननद) 5. भोला उम्र करीब 24 वर्ष पुत्र रामदुलार चौरसिया (देवर) 6. मिथिलेश उम्र करीब 21 वर्ष पुत्र रामदुलार चौरसिया (देवर) साकिनान ग्राम पड़सरा थाना उभांव जनपद बलिया, हाल मुकाम विश्वनाथ चार्ली सोनीतपुर असम। —विपक्षीगण

उक्त मुकदमा में व्यथिता **आराधना** ने आप विपक्षी के ऊपर घरेलू हिंसा का वाद प्रस्तुत किया है जिसकी सुनवाई की तिथि दिनांक 23.05.2025 तिथि नियत है। उक्त वाद में आप विपक्षी नियत तिथि को उपस्थित होकर अपनी पक्ष प्रस्तुत करें। यदि आप विपक्षी दिनांक 23.05.2025 को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत नही करते है तो आपकी अनुपस्थिति में उक्त तिथि पर मुकदमे का निस्तारण कर दिया जायेगा।

बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से
जे.एम./एफ.टी.सी/(महिलाओं के विरूद्ध अपराध) मऊ, जनपद मऊ

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

मप्र में 31% महिला कलेक्टर, दक्षिणी राज्यों में 39%

भोपाल, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। देश में महिलाओं को 33% आरक्षण का कानून लागू होने का इंतजार है। हालांकि, प्रशासनिक ढांचे में महिलाओं की भूमिका की बात करें तो यहां भी महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने में राज्य पीछे हैं। दक्षिण भारत के कई राज्यों में महिला कलेक्टरों की हिस्सेदारी 35 से 39% तक पहुंच चुकी है, जबकि हिंदी पट्टी में मध्यप्रदेश 31% के साथ सबसे आगे है। छोटा राज्य होने के बावजूद सिक्किम में भी यह आंकड़ा 33% तक है। वहीं हिंदी पट्टी में तस्वीर अपेक्षाकृत कमजोर है। मध्यप्रदेश 55 जिलों में 17 महिला कलेक्टरों (करीब 31%) के साथ इस क्षेत्र में सबसे आगे है। यह हिंदी पट्टी का इकलौता बड़ा राज्य है, जहां आंकड़ा 30% के पार है। ओडिशा (3%) और तेलंगाना (39%) के बीच करीब 10 गुना का अंतर है।

पढ़ाई-जॉब के लिए रूस गए, फौजी बनाकर युद्ध में झोंका

नई दिल्ली/कैथल, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। हरियाणा के रेवाड़ी का अंशु पढ़ाई के लिए रूस गया था। वहां उसे सैनिक बनाकर यूक्रेन युद्ध में उतार दिया गया। वार जोन में उसकी मौत हो गई। करीब 6 महीने बाद 17 अप्रैल को उसका शव घर पहुंचा। परिवार पर दर्द का पहाड़ टूट पड़ा है। ऐसा ही दर्द हरियाणा, पंजाब, राजस्थान जैसे देश के कई राज्यों के कई परिवारों का है। जवान बेटों को रूस भेजने के लिए किसी ने जमीन बेची तो किसी ने कर्ज लिया। अब वहां किसी की मौत हो गई तो कोई लापता है। डेढ़ साल में 4 राज्यों के 13 युवाओं के शव घर आ चुके हैं। देशभर के सैकड़ों युवा अभी भी लापता हैं। ऐसे युवाओं के परिवारों से बात की। पता चला कि एजेंटों ने झांसा देकर युवाओं को स्टडी, वर्क, टूरिस्ट वीसा पर रूस भेजा। वहां पैसों का लालच देकर या डरा-धमकाकर जबरन आर्मी में भर्ती का कॉन्ट्रैक्ट साइन कराया। फिर 10-15 दिन की ट्रेनिंग देकर युद्ध में फ्रंट लाइन पर भेज दिया। अब कई युवाओं के शव रूसी झंडे में लिपटकर घर पहुंच रहे हैं।

पीएम को 'आतंकवादी' कहना 140 करोड़ भारतीयों का अपमान-पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार, खरगे और कांग्रेस हमेशा से इस तरह की घटिया टिप्पणियां करते आए हैं। खरगे का दिल और दिमाग अभी भी प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। वे इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि गांधी परिवार लगातार तीन चुनावों में हार चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने 25 वर्षों तक गुजरात सरकार का नेतृत्व किया और अब पिछले 12 वर्षों से केंद्र सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, जिनका सार्वजनिक सेवा का बेदाग रिकॉर्ड है, जबकि गांधी परिवार का हर पीढ़ी में घोटालों से जुड़ाव रहा है। उन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटा है और भारत के खिलाफ हमेशा बोलते रहे हैं, चाहे भारत में हो या विदेश में... मैं कांग्रेस की इस सोच की निंदा करता हूं। मैं गांधी परिवार के मोदी विरोधी रवैये की निंदा करता हूं। पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी और एमके स्टालिन को प्रधानमंत्री और उन्हें वोट देकर सत्ता में लाने वाली भारत की जनता के इस घोर अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस और डीएमके ने इस बयान से 14 करोड़ भारतीयों को, जिनमें हमारे 8 करोड़ तमिल भाई-बहन भी शामिल हैं, अपमानित किया है। यह अपवित्र गठबंधन प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर भारतीयों को आतंकवादी कह रहा है। प्रधानमंत्री पर इस तरह के व्यक्तिगत हमले उनके चुनावी भाग्य को नहीं बदलेंगे, जो उनके कुशासन से पीड़ित जनता के गुस्से से पहले ही तय हो चुका है। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री के लिए कहे गए शब्द कोई नई बात नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी हताशा में है, इसीलिए वे इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी अब पतन के कगार पर है। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने कहा कि जिस पार्टी ने 55-60 साल तक शासन किया, उसके मुखिया की भाषा देखिए। वे कह रहे हैं कि भारत के निर्वाचित प्रधानमंत्री आतंकवादी हैं और पूरा गांधी परिवार चुपचाप बैठा है... मुझे लगता है कि वे उसी स्क्रिप्ट के अनुसार बोल रहे हैं जो राहुल गांधी ने मल्लिकार्जुन खर्गे को दी थी।

पहलगाम हमले की पहली बरसी : सेना बोली- भारत कुछ नहीं भूला, जो हदें लांघेगा उसे मुंहतोड़ जवाब मिलेगा

पहलगाम/नई दिल्ली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। पहलगाम हमले की 22 अप्रैल को पहली बरसी है। कश्मीर के सभी टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा है। श्रीनगर से करीब 95 किमी दूर बैसरन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों को आतंकियों ने गोलियों से भून दिया था। तब से यह घाटी बंद है।

बैसरन घाटी में किसी को भी एक तय सीमा से आगे जाने की इजाजत नहीं है। पहलगाम के दूसरे टूरिस्ट स्पॉट बेताब वैली और चंदनवाड़ी तक जाने पर फिलहाल रोक नहीं है।

पर्यटक पहले से 30-40% तक सिमट गए हैं। स्थानीय लोगों में गुस्सा है कि वैली को क्यों नहीं खोला जा रहा। आखिर उनका क्या कसूर है, जो आने वाले सैलानियों पर पाबंदियां लगा दीं।

इधर, भारतीय सेना ने मंगलवार को अपने हैंडल पर एक पोस्ट किया है, जिसमें आतंकियों और उनके रहनुमाओं को चेतावनी दी है। पोस्ट के साथ जारी तस्वीर में सिंदूर और भारत का नक्शा दिखाया गया है,

जिसकी थीम ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी है। सेना ने लिखा-कुछ हदें कभी नहीं लांघनी चाहिए। भारत कुछ नहीं भूला। जब इंसानियत की हदें पार की जाती हैं, तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाता है। न्याय हो चुका है। भारत एकजुट है।

पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए इंडियन एयरफोर्स ने 6-7 मई 2025 की आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और ढक्ष्ळ में एयर स्ट्राइक की। सिर्फ 25 मिनट चले ऑपरेशन में 7 शहरों में 9 आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए।

इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। पहलगाम आने वाले टूरिस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। हर सर्विस प्रोवाइडर की जांच-पड़ताल की गई है। उन्हें रजिस्टर्ड किया है। उन्हें यूनीक दफकोड दिया गया है। इसमें व्यक्ति की निजी जानकारी और दूसरी डिटेल्स हैं।

बैसरन घाटी जैसे पहाड़ी इलाकों में 15 से 20 जवानों की छोटी-छोटी टीमें तैनात की गई हैं ताकि ऊपरी इलाकों से होने वाली घुसपैठ को रोका जा सके। हाल ही में ह्यस्कैन मीह्न सुविधा से वहां काम करने वाले पोनी गाइड से लेकर टैक्सी ड्राइवर्स तक की शिनाख्त हो रही है। अब तक 7 हजार लोग इससे जोड़े जा चुके हैं। आखिरी दम तक लड़े आदिल के पिता बोले- बेटे पर फख्र, हमारा गांव उसी के नाम से जाना जाता है

अमेरिकी धमकियों के बीच नहीं होगी बातचीत-ईरान

तेहरान, 21 अप्रैल (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में वार्ता से पहले ही ईरान और अमेरिका में तनाव बढ़ गया है। अब ईरान ने साफ कर दिया है कि धमकियों के बीच कोई बातचीत नहीं होगी। साथ ही अमेरिका पर सीज फायर के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही वार्ता को लेकर अब अनिश्चितताएं बढ़ गई हैं। ईरान की तरफ से यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद आई जिसमें उन्होंने डील नहीं होने पर बम गिराने की बात कही थी। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गलीबा ने लिखा कि ट्रंप घेराबंदी करके और युद्ध विराम का उल्लंघन करके अपनी कल्पना में इस बात की मेज को आत्मसमर्पण की मेज में बदलना चाहते हैं या फिर से युद्ध भड़काने को सही ठहराना चाहते हैं। हम धमकियों के साए में बातचीत स्वीकार नहीं करते। पिछले दो हफ्तों में हमने युद्ध के मैदान में अपने नए पत्ते खोलने की पूरी तैयारी कर ली है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत की ईरान की कोई योजना नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर सीज फायर का उल्लंघन कर कूटनीति को कमजोर करने के आरोप लगाए थे। हालांकि खबरें यह भी आई कि ईरान दूसरे दौर की बातचीत के लिए इच्छुक है। बहरहाल अब तक आधिकारिक तौर पर वार्ता में शामिल होने को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वाकई ने समुद्री प्रतिबंधों सहित अमेरिकी दबाव की आलोचना की और कहा कि बिना किसी स्पष्ट ढांचे के ईरान नई वार्ता में भाग नहीं लेगा। उन्होंने दोहराया कि यूरेनियम संवर्धन और रक्षा से संबंधित मुद्दे ऐसे हैं जिन पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस्माइल बाकी ने ओमान सागर में एक ईरानी व्यापारिक जहाज पर अमेरिकी हमलों का जिक्र भी किया और इसे समुद्री समझौतों का उल्लंघन और आक्रामकता करार दिया।

कांग्रेस ने पीएम के खिलाफ दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी सांसदों के वोट और उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। ये नियमों के खिलाफ है। वेणुगोपाल ने अपने लेटर में लिखा कि 18 अप्रैल को प्रधानमंत्री ने टीवी पर देश को संबोधित किया। पीएम ने करीब 29 मिनट के संबोधन में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण बिल रोकने का आरोप लगाया। सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सवाल उठाए। उनके फैसलों के पीछे की मंशा पर भी टिप्पणी की। वेणुगोपाल ने नियम 222 के तहत यह नोटिस दिया है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए और प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए। इस तरह के बयान चुने हुए सांसदों की स्वतंत्रता और उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े करते हैं। इससे संसद की गरिमा और अधिकार कमजोर होते हैं। संविधान सांसदों को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है। कोई भी व्यक्ति यहां तक कि प्रधानमंत्री भी, उनके वोट या आचरण पर सवाल नहीं उठा सकता।

अदालत का पतियों को कड़ा संदेश

भरण-पोषण राशि से बचने के लिए गरीबी का बहाना नहीं चलेगा

प्रयागराज, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि जो व्यक्ति अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं कर सकता, उसे शादी करने के अपने फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए। कोर्ट ने साफ किया कि एक बार शादी हो जाने के बाद, कोई भी पुरुष अपनी खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देकर अपनी पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की ज़िम्मेदारी से बच नहीं सकता। कोर्ट ने इस ज़िम्मेदारी को एक कानूनी दायित्व बताया। ये टिप्पणियाँ भरण-पोषण को लेकर एक वैवाहिक विवाद की सुनवाई के दौरान की गईं। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस विवेक सरन की डिवीजन बेंच ने तेज बहादुर मौर्य द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया। मौर्य ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें चल रहे विवाद के दौरान अपनी पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण राशि देने का निर्देश दिया गया था। इससे पहले, फैमिली कोर्ट ने पति को अपनी पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण के तौर पर हर महीने 4,000 रुपये देने को कहा था। इसे चुनौती देते हुए, मौर्य ने तर्क दिया कि उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है और इस पर ठीक से विचार नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति के साथ रह रही है, लेकिन कोर्ट ने पाया कि इस दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान, पत्नी ने कोर्ट को बताया कि वह ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं है, उसकी आय का कोई स्थिर स्रोत नहीं है, और वह अकेले ही बच्चों की देखभाल कर रही है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने कहा कि हर महीने 4,000 रुपये की राशि न तो बहुत ज्यादा है और न ही पति की क्षमता से बाहर है। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि शादी अपने साथ स्पष्ट ज़िम्मेदारियाँ लाती है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने मोदी से मांगी मदद, चिढ़े किम जोंग

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे मंग भारत आए और जैसे ही दिल्ली में उन्हें राजशाही अंदाज में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया उसी पर दिल्ली से करीब 4700 किमी दूर पोंगयांग में हलचल तेज हो गई। जहां किम जोंग उन पूरे इवेंट को टुकुर टुकुर टीवी पर देख रहा था। नजरें जमाए बैठा था। दिल्ली सिर्फ एक कूटनीतिक मुलाकात का गवाह नहीं बनी है। बल्कि एशिया की ताकत के बदलते समीकरणों की एक बड़ी कहानी भी दिल्ली में लिखी जा रही है। बता दें कि यहां पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जय म्यूंग की मुलाकात हुई है। इन्होंने हैदराबाद हाउस में एक बैठक की और यह हाई लेवल बैठक थी। बता दें कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया। लेकिन यहां पर सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि यह मुलाकात क्यों हुई? कैसे हुई? सवाल यह है कि इस मुलाकात को सबसे ज्यादा ध्यान से कौन देख रहा है? किम जोंग। दक्षिण कोरिया और नॉर्थ कोरिया के रिश्ते। बता दें कि किसी से भी छिपे नहीं है। दोनों के बीच दशकों से तनाव और परमाणु प्रतिस्पर्धा चलती आ रही है। यानी कि कंपटीशन चल रहा है। ऐसे में जब दक्षिण कोरिया का राष्ट्रपति भारत जैसे बड़े लोकतंत्र और उभरती शक्ति के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने आता है तो किम जोंग उन के लिए यह सिर्फ एक विजिट या एक दौरा नहीं बल्कि एक संभावित रणनीतिक खतरे का एक साफ-साफ संकेत है। और यह एक इशारा है यह अलर्ट है।

नीले ड्रम वाली मुस्कान गोद में बेटी को लेकर पहुंची कोर्ट

13 महीने बाद जेल से प्रेमी साहिल के साथ पुलिस वैन में आई थी

मेरठ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। प्रेमी के लिए पति को काटकर नीले ड्रम में भरने वाली मुस्कान 13 महीने बाद पहली बार सामने आई। उसकी गोद में 6 महीने की बेटी भी थी। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड में आरोपी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। दोनों को जेल से भारी सुरक्षा के बीच कोर्ट लाया गया। दोनों करीब 46 मिनट तक कोर्ट में रहे। इस दौरान साहिल से 20 मिनट और मुस्कान से 16 मिनट तक जज ने सवाल-जवाब किए। इसके बाद पुलिस दोनों को जिस तरह कोर्ट लाई थी, उसी तरह वापस जेल लेकर चली गई। इससे पहले साहिल को लेकर पुलिस कोर्ट पहुंची। वह सफेद टोपी और राउंड नेक की सफेद टी-शर्ट पहने था। पुलिस की गाड़ी से उतरने के बाद साहिल ने सिर नीचे झुका लिया, सिपाहियों के इशारे पर चलता रहा। कुछ वकीलों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। इसके बाद साहिल को लेकर पुलिसकर्मी कोर्ट पहुंचे। कुछ देर बाद पुलिस मुस्कान को लेकर पहुंची। वह पीले रंग का प्रिंटेड सूट और काला दुपट्?टा पहने थी। चेहरे पर काला मास्क लगा रखा था। गोद में 6 महीने की बच्ची लिए थी। नजर झुकाए मुस्कान कोर्ट में प्रवेश कर गई। बच्ची को भी दुपट्टे से लपेट रखा था। चारों तरफ पुलिस का घेरा था, किसी को भी मुस्कान की तरफ आने नहीं दिया गया। मुस्कान-साहिल केस में सुनवाई की अगली तारीख 28 अप्रैल तय की गई है। संभावना है कि इसी दिन अदालत अपना फैसला सुना सकती है और दोनों को सजा भी हो सकती है।

मेरी चुप्पी और संविधान की शपथ की परीक्षा थी-जस्टिस स्वर्ण कांता

सुनवाई से हटाने की मांग पर जस्टिस शर्मा का भावुक संदेश

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्हें दिल्ली आबकारी नीति मामले की सुनवाई से हटने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए ठोस सबूतों की जरूरत होती है, न कि केवल निराधार आशंकाओं की। जस्टिस शर्मा ने इस अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि इसमें किए गए दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं है और ये सिर्फ.उन आरोपों पर आधारित हैं जो उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं। फैसला सुनाते हुए उन्होंने कहा, ?जब मैंने यह फैसला लिखना शुरू किया, तो कोर्टरूम में सन्नाटा छा गया था। जो बचा था, वह था एक जज होने का दायित्व, जिसने भारत के संविधान की शपथ ली है। मुझे एहसास हुआ कि एक जज के तौर पर मेरी चुप्पी की ही परीक्षा हो रही थी, और अब सवाल जज और खुद संस्था की निष्पक्षता को लेकर था।? आदेश सुनाते हुए, जस्टिस शर्मा ने इस स्थिति को कोर्ट के लिए एक मुश्किल स्थिति बताया। अब, यह खुद को सुनवाई से अलग करने की मांग को लेकर एक 'कैच-22' (दुविधापूर्ण) वाली स्थिति है। इस मामले में, मुझे ऐसी स्थिति में डाल दिया गया है कि चाहे मैं खुद को सुनवाई से अलग करूँ या न करूँ, सवाल तो उठेंगे ही।

बंगाल में 630 करोड़पति कैंडिडेट हैं, 23% पर क्रिमिनल केस हैं दर्ज

53% उम्मीदवार ग्रेजुएट भी नहीं, सिर्फ 13% महिलाओं को टिकट, 192 पर महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज

कोलकाता, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 23% उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें सबसे ज्यादा करीब 208 उम्मीदवार इखढ से हैं। वहीं, 192 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध का केस है।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स चुनाव लड़ रहे कुल 2920 उम्मीदवारों के एफिडेविट का एनालिसिस किया है। इनमें 630 उम्मीदवार करोड़पति हैं, यानी हर 5 में से 1 उम्मीदवार करोड़पति है। रिपोर्ट के मुताबिक, उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब ?1.28 करोड़ है। सबसे ज्यादा करीब 72% उम्मीदवार के करोड़पति हैं, जबकि यह आंकड़ा करीब 49% है। एजुकेशन की बात करे तो 48% उम्मीद वार 5वीं से 12वीं तक पढ़े

हैं, जबकि 47% उम्मीदवार ग्रेजुएट या उससे अधिक पढ़े-लिखे हैं। राज्य में दो फेज में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। रिजल्ट 4 मई को आएगा।

कुल 1074 उम्मीदवारों में से 481 उम्मीदवारों पर आपराधिक केस दर्ज हैं। इनमें करीब 35 उम्मीदवारों पर हत्या से जुड़े आरोप हैं, जबकि 192 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। 8 कैंडिडेट्स पर रेप का आरोप है। वहीं, इन दलों के करीब 412 उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। चुनाव लड़ रही प्रमुख पार्टियों ने करीब 26% से लेकर 72% तक टिकट ऐसे उम्मीदवारों को दिए हैं।

भारत ने इजराइल की मदद कर तोड़ा कानून

हथियार भेजना नियमों के खिलाफ, इससे ग्लोबल सिस्टम हो रहा कमजोर

वॉशिंगटन डीसी, 21 अप्रैल (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के साथ उसके संबंध और युद्ध के समर्थन को लेकर भारत की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी बनती है। टॉर्चर एंड जेनोसाइड नाम की इस रिपोर्ट को वठ स्पेशल दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने 23 मार्च को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश किया। द हिंदू से बात करते हुए उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने इजराइल के कब्जे को गलत बताया है और देशों से हथियारों का लेन-देन रोकने को कहा है। इसके बावजूद भारत का हथियार भेजना नियमों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के साथ-साथ भारत की नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है। उनका मानना है कि भारत का इतिहास और न्याय की सोच ऐसे फैसलों के खिलाफ खड़ी होती है, लेकिन अभी सरकार का रुख उससे अलग नजर आ रहा है। टॉर्चर एंड जेनोसाइड रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्टूबर 2023 से इजराइल ने गाजा और डिटेंशन सेंटर्स में फिलिस्तीनियों के खिलाफ व्यवस्थित यातना का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में गाजा को बहुत बड़ा यातना शिविर बताया गया है।

जापान दूसरे देशों को बेचेगा घातक हथियार

50 साल बाद नीति में किया बदलाव, ऑस्ट्रेलिया के साथ 7 अरब डॉलर का समझौता

टोक्यो, 21 अप्रैल (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। जापान ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद अपनी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव किया है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगी दशकों पुरानी रोक हटा दी है। इसके तहत अब जापान फाइटर जेट, मिसाइल और वॉरशिप जैसे हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा।

मंगलवार को पर पोस्ट करते हुए ताकाइची ने कहा कि अब सभी रक्षा उपकरणों का ट्रांसफर संभव होगा। उन्होंने कहा कि हथियार सिर्फ उन देशों को दिए जाएंगे जो वठ चार्टर (संविधान) के मुताबिक उनका इस्तेमाल करने का वादा करेंगे।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई देश जापानी हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हाल ही में जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ है। इसके तहत मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के लिए 11 में

से पहले 3 वॉरशिप बनाएगी।

इससे पहले 1976 में लागू प्रावधानों के तहत जापान सिर्फ गैर-घातक सैन्य उपकरण ही निर्यात कर सकता था। इनमें निगरानी और माइन स्वीपिंग जैसे उपकरण शामिल थे। सेकेंड वर्ल्ड वॉर और हिरोशिमा-नागासाकी परमाणु हमले के बाद जापान ने तय किया कि वह युद्ध से दूर रहेगा। संविधान के आर्टिकल 9 में साफ लिखा गया कि जापान युद्ध नहीं करेगा और सेना सिर्फ आत्मरक्षा तक सीमित रहेगी। इसी वजह से जापान ने सेल्फ डिफेंस फोर्स (रव्रऋ) बनाई।

1976 में जापान ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी। हालांकि 2014 में थोड़ी ढील दी गई लेकिन सख्त सीमाएं बनी रहीं। अब नए फैसले में जापान ने अपनी शांति नीति में बड़ा बदलाव किया है।

अल जजीरा के मुताबिक, इस फैसले के तहत कम से कम 17 देश जापान से हथियार खरीद सकेंगे। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। अगर और देश जापान के साथ समझौते करते हैं तो यह सूची बढ़ सकती है। वहीं, जापानी अखबार असाही के मुताबिक जापान उन देशों को हथियार नहीं बेचेगा जहां फिलहाल युद्ध चल रहा है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला हो तो इसमें छूट दी जा सकती है।

बदलते सुरक्षा हालात की वजह से यह बदलाव लाया गया हैं। खासतौर पर इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती ताकत, उत्तर कोरिया के मिसाइल टेस्ट और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे घटनाक्रम इसकी बड़ी वजह माने जा रहे हैं। अब जापान सिर्फ शांतिवादी देश नहीं रहना चाहता बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा में एक सक्रिय और जिम्मेदार साझेदार बनना चाहता है।

अल जजीरा के मुताबिक, ताकाइची ने इस फैसले को बदलते वैश्विक हालात से जोड़ा। उनके अनुसार, मौजूदा समय में कोई भी देश अकेले अपनी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता इसलिए सहयोग और साझेदारी जरूरी हो गई है। जापान के इस फैसले को सिर्फ विदेश नीति का बदलाव नहीं, बल्कि उसके डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। दशकों तक हथियार निर्यात पर रोक होने की वजह से जापान की रक्षा कंपनियां घरेलू ऑर्डर तक सीमित थीं जिससे उनकी ग्रोथ धीमी रही। अब यह बाधा हटने से कंपनियों के लिए वैश्विक बाजार खुल गया है जिससे घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को स्केल (पैमाना) बढ़ाने का मौका मिलेगा।

सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि जापानी कंपनियों को बड़े पैमाने पर नए ग्राहक मिलेंगे। अभी तक अमेरिका, रूस और यूरोपीय देशों का हथियार बाजार पर दबदबा था, लेकिन अब जापान भी इसमें एंट्री कर रहा है। रोजगार और इकोनॉमी पर भी इसका असर पड़ेगा। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में नई नौकरियां बनेंगी, सप्लाई चेन मजबूत होगी और छोटे-छोटे सप्लायर भी इस इकोसिस्टम से जुड़ेंगे। इससे जापान की अर्थव्यवस्था को भी सपोर्ट मिलेगा।

सतना में 'सिरफिरे' आशिक का खौफनाक इंतकाम

सतना, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। मध्य प्रदेश के सतना जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 11 साल के बच्चे की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मासूम का शव घर के अंदर ही एक नीले ड्रम में कपड़ों से ढका हुआ मिला। इस वारदात ने पूरे सिद्धार्थ नगर इलाके में दहशत फैला दी है। मृतक बच्चे की पहचान शिवराज (उर्फ बादल) के रूप में हुई है। घटना के समय शिवराज घर पर अकेला था। शिवराज की माँ, आशा रजक, जो घरों में काम करती हैं, जब दोपहर को काम से लौटीं तो घर बाहर से बंद था। काफी तलाश के बाद जब शिवराज का पता नहीं चला, तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने जब बंद कमरे का ताला तोड़ा और तलाशी ली, तो एक नीले रंग के ड्रम के अंदर शिवराज का शव मिला। आरोपी ने हत्या के बाद शव को कपड़ों से छिपा दिया था ताकि किसी को शक न हो। पुलिस जांच और परिजनों के बयानों से जो कहानी निकलकर आ रही है, वह बेहद चौंकाने वाली है। परिवार ने अपने एक परिचित मथुरा रजक पर हत्या का आरोप लगाया है। आशा रजक के अनुसार, आरोपी मथुरा उन पर शादी के लिए लंबे समय से दबाव बना रहा था।

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं।इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं।हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं।उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए।

इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं।देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी।इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं। बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की है जिनकी प्राथमिकता अपने विषय और वेतन-भत्तों व सुविधाओं तक ही सीमित रह गई है। परवरिश के स्तर पर भी नहीं सिखाया जाता कि जीवन में बुरे से बुरा घटने पर बिना विचलित हुए कैसे उस चुनौती का सामना किया जाए।

परिवार की उम्मीदों का बोझ ढोते, ये प्रतिभावान बच्चे जब असफलता के भय से ग्रस्त होते हैं तो आत्महत्या को अंतिम विकल्प के रूप में सोचने लगते हैं।ऐसी घटनाएं होने पर शिक्षण संस्थानों द्वारा फौरी तौर पर जो कदम उठाये जाते हैं, वे कारगर साबित नहीं होते। किसी आत्महत्या का मामला प्रकाश में आने के बाद हाय-तौबा होती है, तब घोषणाएं होती हैं। फिर वही ढाक के तीन पात। तनाव से गुजरते छात्रों पर पैनी नजर रखने की जरूरत होती है।ये बच्चे बेहद संवेदनशील व ईमानदार होते हैं, जो अपने को साबित न कर पाने पर आत्मघात की राह चुन लेते हैं। समय रहते उनकी पहचान करके संस्थान प्रबंधन व अभिभावकों को उनकी मनोवैज्ञानिक सहायता करनी चाहिए। इन प्रतिभाओं को तनाव के दानव का ग्रास बनने से रोके जाने की जरूरत है।

स्त्रियों से राजनीतिक छल अब चलेगा नहीं

● प्रमोद जोशी

स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं हैं, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक गतिविधि मात्र थी।जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की योजना बन गई, वह बताता है कि बीजेपी इसकी तैयारी के साथ आई थी।

भारत में महिला आरक्षण को लेकर एक साथ कई सवाल हैं। पहला है कि संसद में संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो पाया, या उसे पास कराने में किसी की दिलचस्पी नहीं थी? साफ है कि बीजेपी का इरादा इस मसले को उठाना, विरोधियों को उत्तेजित करना था, ताकि वे शोर मचाएं। भारतीय राजनीति विश्वसनीय नहीं है। सरकार जानती थी कि उसके साथ दो-तिहाई सदस्य नहीं हैं और आज के राजनीतिक हालात में उसे कतई आशा नहीं करनी चाहिए थी कि विरोधी राजनीति का कोई धड़ा उसके समर्थन में आता। तब फिर क्यों बिल पेश किया?

फौरी तौर पर यह राजनीतिक तीर था, जो ह्यनारी-शक्तिह्न का लाभ उठाने के लिए चलाया गया था। संसद में जब बातें होती हैं, तब उन्हें गांव-गांव में सुना जाता है। विरोध में जितना शोर होगा, फायदा उतना ज्यादा होगा। उद्देश्य माहौल बनाना, नैरेटिव रचना या इसे जो भी कहें, उतना ही था। विरोधियों की दिलचस्पी भी कम से कम महिला आरक्षण में नहीं थी। परिसीमन को लेकर भी उनके तर्क विचित्र थे। इससे ज्यादा उनका इरादा भी कुछ नहीं था। बहरहाल, इसका विपरीत-प्रभाव भी होगा, जो समूची राजनीति को अपनी चपेट में लेगा।

क्या महिलाओं को समझ में नहीं आ रहा है कि उन्हें छला जा रहा है? यह दीगर सवाल है कि इस विधेयक के परास्त होने का लाभ बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव में मिलेगा या नहीं। असल बात यह है कि देश की राजनीति ने पिछले तीन दशक से ह्यनारी-शक्तिह्न को छला है। उसे बहुत ज्यादा छला नहीं जा सकेगा। स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं हैं, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक-गतिविधि मात्र थी। जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की योजना बन गई, वह बताता है कि बीजेपी इसकी तैयारी के साथ आई थी। सबसे पहले एचडी देवेगौड़ा सरकार ने 81वें संविधान संशोधन विधेयक, 1996 के रूप में 12 सितंबर, 1996 को महिला आरक्षण विधेयक, पेश किया था। विधेयक पेश तो हुआ, लेकिन राजनीतिक आम सहमति न बनने और गठबंधन सरकार के भीतर विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजना पड़ा और 11वीं लोकसभा भंग होने के साथ ही लैप्स हो गया। देश की राजनीति चाहती, तो देवेगौड़ा का बिल ही पास हो जाता।

सरकार ने इसबार जो विधेयक पेश किया था, वह संसदीय सीटों के परिसीमन पर केंद्रित था। उसके विरोधियों का कहना है कि परिसीमन देश को तोड़ देगा। वे कहते हैं कि 2023 के बिल को लागू करो। वर्ष 2023 के महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, इसे परिसीमन के बगैर लागू नहीं किया जा सकता। यह कानून विशेष रूप से जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होने की शर्त से बंधा हुआ है। परिसीमन रुकेगा तो आरक्षण भी रुकेगा।

सरकार ने 2023 के बिल की अधिसूचना जारी कर दी है, ताकि वह लैप्स न हो। उसकी प्रक्रिया ठीक से चली भी तो 2034 के चुनाव के पहले आरक्षण लागू नहीं हो सकेगा। संभव है कि 2039 में लागू हो। क्या महिलाएं इतना लंबा इंतजार करेंगी? दरअसल, देश की पुरुष-संचालित राजनीति देख नहीं पा रही है कि महिलाएं धीरे-धीरे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभर कर आ रही हैं। यह ताकत अभी तक वोटर के रूप में है, पर जल्द ही नेतृत्व के लेवल पर भी दिखाई पड़ेगी। जब 2023 का वह बिल पास हो रहा था, तब उसे लेकर जबर्दस्त सवार्नुमति थी। वह सवार्नुमति भी राजनीतिक-लाभ लेने तक की थी। उस वक्त भी सवाल था कि इसे फौरन लागू करने से रोका किसने है? कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में कहा था, जब सरकार नोटबंदी जैसा फैसला तुरत लागू करा सकती है, तब इतने महत्वपूर्ण विधेयक की याद साढ़े नौ साल बाद क्यों आई? बात तो बहुत मार्के की कही थी, पर दस साल तक कांग्रेस की सरकार रही, वह भी तो उसे लागू नहीं करा पाई। यूपीए के सहयोगी दल ही इसके लिए तैयार नहीं थे।

ह्यइंडियाह्न ब्लॉक के नेता आज कह रहे हैं कि हम उस विधेयक का समर्थन करेंगे जो 543 सीटों की वर्तमान संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तुरंत लागू कराए। उन्होंने क्या सरकार के साथ बैठकर इस विषय पर बात की? जब वे जानते हैं कि जनगणना और परिसीमन के बिना यह फिलहाल कानूनी रूप से संभव नहीं है, तो उन्हें ऐसी पेशकश करनी चाहिए, जिसके पीछे ईमानदारी हो और व्यावहारिकता भी।

व्यावहारिक बात है कि सांसदों की वर्तमान संख्या को देखते हुए, किसी पार्टी का सदस्य इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। लोकसभा में मोटे तौर पर 86 प्रतिशत पुरुष हैं और देश की विधानसभाओं में करीब 90 प्रतिशत। इसी संख्या पर आरक्षण लागू हुआ, तो बड़ी संख्या में पुरुषों का पत्ता साफ हो जाएगा। कोई नहीं चाहेगा कि उसका चुनाव-क्षेत्र आरक्षण के दायरे में चला जाए। भले ही एक-तिहाई सीटें महिलाओं के कोटे में जाएंगी, पर किसका क्षेत्र छिनेगा, पता नहीं। एक-एक चुनाव क्षेत्र को तैयार करने में बरसों की मेहनत और लाखों की रकम खर्च होती है। यह सब उन्हें मंजूर होता, तो 1996 से अब तक यह सब रुका हुआ क्यों है? बहरहाल, पुरुषों की इस राजनीति को महिलाओं की बढ़ती ताकत ही ठिकाने लगाएगी। अभी तक माना जाता था कि महिलाओं की राजनीतिक आवाज नहीं होती है। वोटर के रूप में उनकी आवाज को मान्यता मिल चुकी है। कौन-सा राज्य है, जहां पार्टियां महिलाओं को लिए लुभावने कार्यक्रम लेकर नहीं आ रही हैं। ये कार्यक्रम वोटर के रूप में हैं।दूसरी तरफ राजनीतिक कार्यकताओं के रूप में भी महिलाओं के बीच खामोश क्रांति हो रही है। इसकी शुरूआत स्थानीय निकायों, यानी पंचायतों और नगरपालिकाओं में, महिलाओं को न्यूनतम 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने से हुई है, जो 1993 के 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के तहत उन्हें प्राप्त हुआ है। इस आरक्षण को बिहार, उत्तराखंड, महाराष्ट्र सहित 20 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। जमीनी स्तर पर अब करीब साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएं जन-प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं, जो इन निकायों के कुल सदस्यों का करीब 46 प्रतिशत है। इनमें से कुछ अपने पतियों, भाइयों और बेटों के लिए आड़ का काम कर रही हैं, पर ज्यादा बड़ी संख्या उन महिलाओं की है, जो न केवल सक्रिय हैं, बल्कि अपनी कुशलता साबित कर रही हैं।इनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी जन्म ले रही हैं। ग्राम सभा की सदस्य, जिला स्तर पर जाना चाहती हैं, नगरपालिका की पार्षद विधायक और उससे ऊपर के स्तर पर। उनकी संख्या बढ़ रही है, क्योंकि एक पीढ़ी के बाद दूसरी पीढ़ी भी सामने आ रही है। स्थानीय निकायों के कुल सदस्यों में 46 प्रतिशत महिलाएं हैं, वहीं लोकसभा और विधानसभाओं में यह प्रतिशत काफी कम है। 18वीं लोकसभा में 543 में से 75 महिला सांसद (लगभग 14 प्रतिशत) हैं, जो 2024 में चुनाव लड़कर आई हैं। राज्यसभा में लगभग 39 (17 प्रतिशत) महिला सदस्य हैं। वहीं एडीआर की एक रिपोर्ट के अनुसार, 4,666 सांसदों/विधायकों में से केवल 464 यानी 10 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह असंतुलन है, जिसे अब महिलाएं ही आगे बढ़कर दूर करेंगी।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

विपक्ष को दुशासन बनाने का अभियान

● राकेश अचल

'सूत न कपास और जुलाहों में लठ्ठम-लठ्ठ' अब एक कहावत नहीं रही. भाजपा ने इसे हकीकत में बदल दिया है. मंदिर - मस्जिद और हिंदू-मुसलमान का खेल खेलते - खेलते सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा के दूरदर्शी नेतृत्व ने अब महिला आरक्षण को नया चुनावी मुद्दा बना लिया है, जबकि हकीकत ये है कि भाजपा खुद अभी तक चुनावों में महिलाओ को 10-12% से ज्यादा टिकट नहीं देती.

लोकसभा में 131 वां संविधान संशोधन विधेयक जानबूझकर गिरवाने वाली भाजपा ने बडी ही चालाकी से कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष को दुशासन और निरीह महालाओं को द्रोपदी बनाकर खुद कृष्ण बनने की मुहिम छेड दी है. पूरे 9 साल महिला आरक्षण विधेयक पर कुंडली मारकर बैठी रही भाजपा सरकार ने आम चुनाव से ठीक ढाई साल पहले महिला आरक्षण का मुद्दा गर्म किया और इसे लागू करने का नाटक कर नाकामी का ठीकरा विपक्ष पर फोड दिया.

राजनीति में साम, दाम, दंड, भेद सब चलता है. कांग्रेस किसी जमाने में सत्ता से चिपके रहने में माहिर थी लेकिन अब ये गुर या गुरूमंत्र भाजपा के हाथ लग गया है. विपक्ष को खलनायक बनाने की दूरगामी रणनीति लागू करने में भाजपा विपक्ष से चार कदम आगे चल रही है. कांग्रेस और दूसरे गैर भाजपा दल संविधान बचाते रह गये और भाजपा ने जो खेल करना था सो कर लिया.

आपको याद है कि महिलाओं के वोट के सहारे सत्ता में आने और बने रहने का तरीका मप्र ने भाजपा को दिया था. लाडली लक्ष्मी और लाडली बहना योजना के जरिए मात्र 1250? प्रति महिना की राजसहायता देकर महिलाओ के वोट कबाडने का प्रयोग अब भाजपा हर राज्य विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल कर सफलता की तमाम सीढियां चढ चुकी है.

भाजपा ने 2024 के आम चुनाव में 400 पार न कर पाने के बाद सबक सीखा है कि महिला मतदाता ही वो गाय है जिसका पल्लू पकडकर चुनावी वैतरणी पार की जा सकती है. कांग्रेस इस षणयंत्र को समझ ही नहीं सकी और देखते ही देखते पूरे देश में खलनायक बन गई.

भाजपा ने 2023 में पारित हो चुके महिला आरक्षण कानून पर एक रत्ती काम नही किया लेकिन बंगाल, तमिलनाडु और केरल जीतने के लिए भाजपा 131 वां संविधान संशोधन विधेयक लेकर संसद में उपस्थित हो गई.

दक्षिण -पूर्व के बडे राज्यो में मतदान से ठीक एक हफ्ते पहले इस संविधान संशोधन विधेयक को लाने का मतलब ही चुनाव जीतना था. अब भाजपा इस ब्रम्हास्त्र से बंगाल या तमिलनाडु जी पाएगी या नहीं? मैं नहीं जानता लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि भाजपा ने संविधान संशोधन विधेयक को एक पांसे के रूप में इस्तेमाल किया और महिलाओ की सहानुभूति बटोरने में कामयाब रही.

देश की आधी आबादी आज की तारीख में अपना हित- अनसहित पहचानने में समर्थ नही हो सकी, अन्यथा सबसे पसले भाजपा से पूछती कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तो भाजपा ने क्यों महिला आरक्षण का विरोध किया ? दर असल महिला मतदाता अपना कीमती वोट कुछ रुपयों के लालच में भाजपा को पहले ही बेच चुकी हैं और अब एक बार फिर भाजपा के जाल में फंस गई है.

सच मानिए मुझे कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष के ऊपर दया आती है क्योंकि भाजपा ने महिला आरक्षण कानून को परिसीमन से जोडकर उसके सामने रखी जीत की थाली छीन ली है. और विपक्ष को भनक तक नहीं लगी. प्रधानमंत्री ने इसी मुद्दे पर राष्ट्र के नाम संदेश के बहाने जो ट्यून सेट की थी आज उसी को ब्लाक स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अभियान के रूप में बजाया जा रहा है.

महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस और समूचा विपक्ष हतप्रभ है. संसद में सरकार को धूल चटाने वाला विपक्ष अभी जीत का स्वाद भी नही ले पाया था कि सरकार ने उसे कसैला बना दिया. जिस आक्रामकता के साथ भाजप संसद में अपनी हार को जीत में बदलने के लिए मैदान में उतरी है उसे देखकर विपक्ष के होश फाख्ता हो गए हैं. विपक्ष जब तक सम्हलेगा तब तक भाजपा काफी आगे निकल जाएगी.

मैं भाजपा को उसके शैशवकाल से देख रहा हूँ. मैं जानता हूँ कि तिल को ताड बनाने में भाजपा की कोई सानी नहीं. भाजपा मुद्दों के आधार पर राजनीति नहीं करती. भाजपा की राजनीति का आधार ही तिलिस्म है. जादूगर भले ही संसदीय नियमावली में असंसदीय शब्द हो लेकिन संसद के बाहर उसे लोकमान्यता हासिल है. लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री को जादूगर कह चुके हैं. खुद प्रधानमंत्री मोदी ने आम सभाओं में अपने आपको जादूगर कहा था. और पूरा देश अब इसी जादू के नरेंद्र -जाल का मजा ले रहा है, क्योंकि अब इंद्रजाल तो किसी को आता नहीं.

सिने जगत

ट्रेलर लॉन्च के दौरान रितेश देशमुख भावुक हुए, पिता की याद से छलका दर्द

मुंबई में फिल्म राजा शिवाजी के ट्रेलर लॉन्च के दौरान रितेश देशमुख भावुक हो गए। मंच पर ह्यछत्रपति शिवाजी महाराजह्न किरदार पर बात करते हुए वह रुक गए और उनकी आंखें नम हो गईं। इस दौरान उन्होंने अपने पिता विलासराव देशमुख को याद किया, जिससे माहौल भावनात्मक हो गया।रितेश ने कहा कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ रोल नहीं, बल्कि गर्व और जिम्मेदारी का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि ह्यछत्रपति शिवाजी महाराजह्न को निभाना उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। इस किरदार को निभाते हुए उन्हें बार-बार पिता की सीख और मूल्यों की याद आई, जिसने उन्हें मजबूत बनाया, लेकिन भावुक भी किया।बात करते-करते रितेश की आवाज भर्रा गई और वह कुछ पल चुप हो गए। उन्होंने कहा कि पिता के जाने के बाद जिंदगी में खालीपन आ गया, जिसे भर पाना आसान नहीं रहा। पिछले 12 सालों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह सफर मुश्किल रहा, लेकिन पिता के दिए संस्कार उन्हें आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।इस दौरान स्टेज पर मौजूद उनकी पत्नी जेनेलिया डिसूजा खुद को संभाल नहीं पाईं। रितेश को भावुक होते देख उनकी आंखें भी भर आईं। जेनेलिया इस फिल्म में अभिनय के साथ प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं, जिससे यह प्रोजेक्ट उनके लिए खास है।

फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर लॉन्च में मौजूद सितारों और दर्शकों ने फिल्म की भव्यता और विषय को लेकर उत्सुकता जाहिर की। कुल मिलाकर, राजा शिवाजी का ट्रेलर लॉन्च सिर्फ फिल्मी इवेंट नहीं रहा, बल्कि ऐसा पल बना जहां निजी यादें, भावनाएं और ऐतिहासिक किरदार का भार साथ दिखा। इसी वजह से रितेश और जेनेलिया के आंसू उस भावना की गहराई दिखा गए।

शाहरुख की किंग ने रिलीज से पहले 250 करोड़ कमाए

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग ने रिलीज से पहले ही 250 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। फिल्म का बजट 400 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। यानी फिल्म का आधे से ज्यादा बजट कवर हो गया। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पेन मरुधर ने फिल्म किंग के ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 250 करोड़ रुपए में खरीद लिए। यह इस साल की बड़ी थिएट्रिकल डील्स में से एक मानी जा रही है। बता दें कि पेन मरुधर का शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस के साथ पुराना संबंध रहा है। कंपनी पहले जवान, डंकी, जीरो, बदला और इत्तेफाक जैसी फिल्मों को रिलीज कर चुकी है।ए.ए. फिल्म्स, जियो स्टूडियोज, पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स, यशराज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस जैसी कंपनियों ने भी फिल्म के डोमेस्टिक राइट्स के लिए बोली लगाई थी।

किंग क्रिसमस 2026 के दौरान रिलीज होगी, जब जुमांजी, एवेंजसः डूम्सडे और ड्यून 3 जैसी हॉलीवुड फिल्में भी रिलीज होंगी। इस कॉम्पिटिशन को देखते हुए, फिल्म के लिए बड़े थिएटर रिलीज की प्लानिंग की जा रही है। फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी भी नजर आएंगे। किंग की कहानी एक मेंटर और शिष्य के सफर पर आधारित है, जो कठिन परिस्थितियों में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं।

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

● प्रो. संजय द्विवेदी

मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चचाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं।वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।राजनीति

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है।क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है ह्यचार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणीह्य, इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं।एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं।इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं।

एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है।जन को ताकतवर बनाना भी है।अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए।जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है।व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके।

हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे।उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं।अखबार

हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने और अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज भी उसकी प्राथमिकता नहीं है। हमारे नागरबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिताएं कुछ भिन्न हैं। वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट तो उसके साथ संयुक्त हैं ही। मीडिया के नेतृत्वकताओं के लिए यह सोचने का सही समय है कि जब सारा देश विकास और सुशासन के सवालों पर गंभीर हो रहा है, उसमें अपने शासकों से जवाब मांगने की हिम्मत आ रही है, तो हमारा मुख्यधारा का मीडिया क्या कर रहा है? ऐसे तमाम सवाल मीडिया के नेतृत्वकताओं के सामने आज उपस्थिति हैं, अगर इन सवालों के हल हमने आज नहीं तलाशे तो कल बहुत देर हो जाएगी।

(लेखक माखनलाल चतुवेर्दी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)राजनीति

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विकास कार्यों एवं निर्माण परियोजनाओं प्रगति की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

पीडीडीयू नगर(चन्दौली), 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों एवं निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,सड़क निर्माण,पेंशन योजना, फैमिली आईडी, ऑपरेशन कायाकल्प, विधवा पेंशन,वृद्धा पेंशन उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पेंशन से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित न रहे तथा फैमिली आईडी में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित की जाए।बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएं और उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जिन परियोजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है,उन्हें शीघ्र हैंडओवर कराने की प्रक्रिया पूरी की जाए,जिससे जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर अंकित सभी परियोजनाओं की प्रगति नियमित रूप से अपडेट की जाए तथा जिन योजनाओं की प्रगति धीमी है, उनमें तेजी लाई जाए।

आई जी आर एस की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुवे कहा कि सभी जनपद स्तरीय अधिकारी कार्य दिवस के समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रह कर जनता की शिकायतों को सुने और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करे तथा आइजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों को सभी कार्यालय अध्यक्ष नियमित रूप से देखे किसी भी दशा में डिफाल्टर नहीं होना चाहिए,उन्होंने ने कहा कि शिकायत का ना निस्तारण समय से गुणवत्ता पूर्वक होना चाहिए साथ ही शिकायत कर्ता से बात कर फीडबैक भी ले और रजिस्टर में दर्ज करे उन्होंने कहा कि अगली बैठक में सभी अधिकारी अपने अपने आइजीआरएस के रजिस्टर के साथ बैठक में उपस्थित होंगे मै रैंडमली किसी शिकायतकर्ता से बात कर स्थिति की जानकारी प्राप्त करूंगा उन्होंने ने मुख्य विकास अधिकारी आर जगत साई से कहा कि प्रतिदिन किन्हीं पांच विभागीय अधिकारियों को चेक करे कि समय से कार्यालय में उपस्थित रह कर उनके द्वारा जन शिकायतें सुनी जा रही है अथवा नहीं।

बैठक के दौरान खराब प्रदर्शन प्राप्त होने पर एक्सियन विद्युत सदर को कड़ी फटकार लगाते हुवे वेतन रोकते हुवे कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा बैठक में बिना पूर्व सूचन के एक्सियन विद्युत सकलडीहा व पी डी डी यू नगर को अनुपस्थित रहने पर वेतन रोक कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उप कृषि निदेशक,विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी,गर्म हवा व लू के प्रकोप से बचाव हेतु डीएम ने दिए निर्देश

पीडीडीयू नगर(चन्दौली), 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जनपद में पारा 40 से 42 डिग्री सेल्यिस के बीच होने के कारण भीषण गर्मी गर्म हवा व लू के प्रकोप से बचाव हेतु जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये है कि इस भीषण गर्मी,गर्म हवा व लू से अपना बचाव कैसे करें तथा सुरक्षित कैसे रहे ।गर्म हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी गत्ते इत्यादि से ढककर रखें ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिन से दोपहर के समय गर्म हवाएं आती हैं, काले पर्दे लगाकर रखना चाहिए ।स्थानीय मौसम के पूवार्नुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण ले बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें ।जहाँ तक सम्भव हो घर में ही रहे तथा सूर्य के ताप से बचें सूर्य के ताप से बचने के लिए जहाँ तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहे ।संतुलित,हल्का व नियमित भोजन करे और बासी खाने का प्रयोग कदापि न करे और मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें ।घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छाछ मट्ठा,बेल का शर्बत,नमक चीनी का घोल,नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें ।मौसम विभाग द्वारा जारी पूवार्नुमान के अनुसार मार्च से जून के मध्य/ अधिक ताप मान रहने की संभावना है ।ऐसे में लोगों को हीटवेब से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियां कर लेनी चाहिए हीटवेब से बचाव को लेकर जन सामान्य के बीच जागरूता अभियान स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा है जब वातावरण का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 3-4 डिग्री अधिक पहुंच जाता है तो उसे हीटवेब या₹लू₹कहते हैं ।अभी आगे गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा इसलिए गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए ।कब लगती है लू गर्मी में शरीर के द्रव्य बॉडी फ्ल्यूड सूखने लगते हैं। शरीर में पानी,नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है शराब की लत,हृदय रोग,पुरानी बीमारी,मोटापा, पार्किंसन रोग अधिक उम्र,अनियंत्रित मधु मेह वाले व्यक्तियों को लू से विशेष बचाव करने की जरूरत है। इसके अलावा डॉययूरेटिक,एंटीस्टिमिनक,मानसिक रोग की औषधि का उपयोग करने वाले व्यक्ति भी लू से सवाधान रहें ।लू के लक्षण गर्म लाल, शुष्कत्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना,उल्टे श्वास गति में तेजी,व्यवहार में परिवर्तन,भ्रम की स्थिति,सिरदर्द, मिचली,थकान और कमजोरी का होना या चक्कर आना,मूत्र न होना अथवा इसमें कमी आदि मुख्य लक्षण है।

नवीन मंडी में हो रही गेहूं खरीद का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

पीडीडीयू नगर(चन्दौली), 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)।जिलाधिकारी चन्दौली चंद्र मोहन गर्ग द्वारा नवीन मंडी स्थल पर हो रही गेहूं खरीद का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उन्होने बारी-बारी से सभी क्रय केंद्रों की पड़ताल की ।इस दौरान केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में कांटा,बोरी,नमी मापक यंत्र व अन्य संसाधन मिले ।उन्होंने केंद्र प्रभारियों को पारदर्शी तरीके से गेहूं खरीद के निर्देश दिए। चेताया कि बेवजह किसानों को बार-बार दौड़ाने की शिकायत मिली तो केंद्र प्रभारी की खैर नहीं ।जिलाधिकारी ने केंद्रों पर निरीक्षण पंजिका, शिकायत पंजीकरण रजिस्टर व अन्य अभिलेखों का अवलोकन किया गया ।केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही नंबर लगाकर किसानों के गेहूं की तौल कराई जाए। इसमें किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए ।जिलाधिकारी ने कहा गेहूं की सरकारी खरीद ई-पॉस मशीन के माध्यम से ही किया जाय ।ताकि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और बिचौलियों की भूमिका न हो, किसानों का इसका सीधा लाभ मिले। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश सरकार ने गेहूं खरीद पर फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता हटा दिया है ।ताकि किसान अपना अधिक से अधिक गेहूं सरकारी केंद्र पर बेच सकेंगे।

जिलाधिकारी ने किसानों से अपील करते हुए कहा गेहूं क्रय अवधि 15 जून 2026 तक निर्धारित है तथा केंद्र प्रतिदिन प्रातः 09 बजे से सायं 06 बजे तक

संचालित हो रहे है ।गेहूं खरीद का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित है ।जिला खाद्य विपणन अधिकारी को जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिया गया ।ताकि सभी एजेंसी से प्रतिदिन बोरे की उपलब्धता, भुगतान एवं अन्य तकनीकी समस्याओं की जानकारी एवं किसी जगह पर उत्पन्न समस्या का समय से समाधान किया जा सकें ।केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक खरीद केंद्र पर बैनर अनिवार्य रूप से हो ।इस पर गेहूं खरीद का मूल्य,केंद्र प्रभारी का नाम,क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी,एसडीएम का नाम व मोबाइल नंबर और खरीद के मानक प्रदर्शित किया जाए ।उन्होंने गेहूं खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, समयबद्ध और पूरी तरह पारदर्शी रखने के निर्देश दिए ।भ्रमण के दौरान किसानों के लिए क्रय केंद्रों पर पीने के पानी (पेयजल)और बैठने के लिए छायादार व्यवस्था पाई गई।

निरीक्षण के दौरान जिला खाद विपणन अधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह,मंडी सचिव,क्रय केंद्रो के प्रभारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चोरी के सामान बरामद,तीन चोर गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चन्दौली), 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में थाना सैयदराजा पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय अन्तर्गत वार्ड नं.06 में किनाराम बाबा बेल्डिंग मेटेरियल दुकानकी दुकान से चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए प्रकाश में आये 03 अभियुक्तों को मुखबिर की सूचना के आधार पर दुधारी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर चोरी हुए सामान जिसमे एक बैट्री व दो समर सेबुल मोटर की बरामदगी की गयी गिरफ्तार। वही तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिसमें सौरभ तिवारी पुत्र अरुण तिवारी निवासी ग्राम छत्रपुरा थाना सैयदराजा जिला चन्दौली,बहादुर पुत्र कल्लू ठठेरा निवासी ग्राम मनराजपुर थाना सैयदराजा जिला चन्दौली व केशरी उर्फ खेसारी वर्मा पुत्र राजबहादुर वर्मा निवासी ग्राम छत्रपुरा थाना सैयदराजा जिला चन्दौली निवासी बताए जाते हैं ।जिनपर पुलिस संबंधित धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम व वीवीपैट स्ट्रांग रूम का किया मासिक निरीक्षण

भदोही, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ई0वी0एम0 व वीवीपैट स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ई0वी0एम0 के रखरखाव, रजिस्टर तथा गेट पर सील लॉकर का निरीक्षण करते हुये ड्यूटी पर तैनात गार्डो आदि व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने सीसी टीवी कैमरा, फायर सेफ्टी उपकरण की वैलेडिटी तिथि आदि बिंदुओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों के उपस्थिति पंजिका को चेक करते हुए निर्देशित किया कि ड्यूटीरत सुरक्षाकर्मी पूरी जिम्मेदारी व मुस्तैदी के साथ देखरेख करें। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, चकबंदी अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी संजय श्रीवास्तव व अन्य उपस्थित रहें।

पुलिस अधीक्षक ने जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी समस्याएं

पीडीडीयू नगर(चन्दौली), 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराये जाने के क्रम में दिन मंगलवार को पुलिस अधीक्षक चन्दौली आकाश पटेल ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई किया।जिसमें अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों के आवेदन लेकर उन्हें न्यायोचित/ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का गुणवत्ता के साथ निस्तारित करना व न्याय दिलाना ही चन्दौली पुलिस की प्राथमिकता है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न थानाक्षेत्रों से आए आवेदकों की शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से गंभीरतापूर्वक सुना एवं संबंधित राजपत्रित अधिकारी (पुलिस)थाना प्रभारी से स्वयं वार्ता कर आवेदक की शिकायत का निराकरण किये जाने हेतु निर्देशित किया ।पुलिस अधीक्षक द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई के दौरान आने वाले नागरिकों/आवेदकों/ फरियादियों के साथ शिष्ट एवं विनम्र व्यवहार किया जाए व प्रत्येक आवेदक की शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुनकर गुण दोष के आधार पर विधिक कार्यवाही की जाए।पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई के दौरान कुल-24 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।जिनके निस्तारण

भदोही में होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियां पूरी, डीएम-एसपी ने दिए सख्त निर्देश

भदोही, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद) ।उत्तर प्रदेश होमगार्ड के पदों पर एनरोलमेंट-2025 की परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं नकल-विहीन आयोजन हेतु जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी, अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि उक्त परीक्षा का आयोजन जनपद भदोही के कुल 06 परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी, जिसमें प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक संपन्न कराई जाएगी। परीक्षा तिथियों के प्रत्येक पालियों में 2496,

प्रत्येक दिन में 4992 तथा कुल 03 दिन में कुल 14976 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। जिलाधिकारी ने परीक्षा की सुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को पूर्णतः नकल-विहीन, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जो परीक्षा की समुचित निगरानी करेंगे। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी परीक्षा केन्द्रों का पूर्व निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा मूलभूत सुविधाएं जैसे स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।इसके अतिरिक्त परीक्षा केन्द्रों पर समय से प्रश्नपत्र एवं अन्य परीक्षा सामग्री सुरक्षित रूप से पहुंचाने के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है ।जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए तथा संवेदनशील केन्द्रों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। परीक्षा केन्द्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने दी जाए तथा अभ्यर्थियों को शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित करें।

कर्तव्यपालन में लापरवाही बरतने पर उप-निरीक्षक तत्काल प्रभाव से निलम्बित

पीडीडीयू नगर(चन्दौली), 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक चन्दौली आकाश पटेल द्वारा घोर लापरवाही और शिथिलता बरतने के आरोप में उप-निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।एक आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक के समक्ष जन सुनवाई के दौरान उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दिया गया था कि उनके पिता के साथ पिछले माह थाना मुगलसराय क्षेत्र में मारपीट की घटना हुई थी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हैं परंतु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।प्रकरण में थाना से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर ज्ञात हुआ कि आवेदक के पिता पर 28 मार्च 2026 को हमला हुआ था जिसमें वह अभी तक वाराणसी में उपचाररत है।आख्या से यह भी स्पष्ट हुआ कि मजरूब के सिर में गंभीर चोट आयी है और वह बयान देने की स्थिति में नहीं है। किन्तु इसके बाद भी विवेचक द्वारा अभी तक अभियोग में गंभीर धाराओं की बढ़ोतरी नहीं की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा उपरोक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उक्त विवेचक को निलम्बित करते हुए इनके विरुद्ध जांच प्रचलित की गई है। वहीं पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थानाध्यक्षों को पुनःनिर्देशित किया गया है कि किसी भी प्रकरण में धाराओं का न्यूनीकरण स्वीकार्य नहीं है।ऐसा तथ्य संज्ञान में आने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

चोरी के सामान बरामद,तीन चोर गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चन्दौली), 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में थाना सैयदराजा पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय अन्तर्गत वार्ड नं.06 में किनाराम बाबा बेल्डिंग मेटेरियल दुकानकी दुकान से दिनांक 17/18.04.2026 को हुए चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए प्रकाश में आये 03 अभियुक्तों को मुखबिर की सूचना के आधार पर दुधारी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर चोरी हुए सामान जिसमे एक बैट्री व दो समर सेबुल मोटर की बरामदगी की गयी गिरफ्तार। वही तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिसमें सौरभ तिवारी पुत्र अरुण तिवारी निवासी ग्राम छत्रपुरा थाना सैयदराजा जिला चन्दौली,बहादुर पुत्र कल्लू ठठेरा निवासी ग्राम मनराजपुर थाना सैयदराजा जिला चन्दौली व केशरी उर्फ खेसारी वर्मा पुत्र राजबहादुर वर्मा निवासी ग्राम छत्रपुरा थाना सैयदराजा जिला चन्दौली निवासी बताए जाते हैं ।जिनपर पुलिस संबंधित धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

मिशन शक्ति फेज-5.0 द्वितीय चरण के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु चलाया जा रहा विशेष अभियान

भदोही, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। उ0प्र0 सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 द्वितीय चरण के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद भदोही में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से श्री अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक श्री शुभम अग्रवाल जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में ₹मिशन शक्ति 5.0₹ द्वितीय चरण अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया । इसी क्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा के उपाय, गुड टच / बैड टच की पहचान, उनके अधिकारों तथा महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि बस, रास्तों एवं सार्वजनिक स्थलों पर मनचलों/शोहदों द्वारा छेड़खानी की घटना होने पर भयभीत न हों, बल्कि तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 पर शिकायत दर्ज कराएं अथवा निकटतम थाने पर जाकर एफआईआर दर्ज कराएं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक एवं इंस्टाग्राम आदि का सावधानीपूर्वक उपयोग करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महिलाओं एवं बालिकाओं को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए स्वयं नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक करने हेतु प्रेरित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन , 181 वीमेन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइवर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

ट्रक ट्रेलर की टक्कर में दो की मौत एक गंभीर

जौनपुर, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। बदलापुर थाना क्षेत्र के सरोखनपुर नेशनल हाइवे 731 पर ट्रक ट्रेलर की टक्कर में जहां दो. लोगों की मौत हो गयी वहीं एक गंभीर घायल हो गया है। बताते है कि मंगल वार की सुबह ट्रक सुल्तानपुर से आलू लादकर वाराणसी जा रही थी। ज्योंही बदलापुर के सरोखनपुर स्थित हाइवे पर पहुंची ही थी कि ट्रेलर से भिड़ंत हो गया। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस व एन एच की पेट्रोलिंग टीम ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने राम करन गुर्जर निवासी जयपुर व एक अन्य को मृत घोषित कर दिया। वहीं दुर्घटना में घायल ट्रक चालक इंद्रकुमार निवासी जगदीश पुर जन पद सुल्तान पुर की हालत गंभीर देखते हुये प्राथमिक उपचार के उपरांत जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज विधिक कार्यवाही में जुटी हुयी है।

जमीन दिलवाने के नाम पर लगभग 11 लाख रुपये हड़पे,तीन पर मुकदमा दर्ज

जफराबाद/जौनपुर, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)।क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नेहरूनगर पर बतौर आशा सुपरवाइजर तैनात महिला से जालसाजों ने जमीन दिलवाने के नाम पर 10 लाख 80 हजार रुपये हड़प लिया।पीड़िता की तहरीर पर सोमवार की शाम को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। लाइनबाजार क्षेत्र के मदारपुर दोयम गांव निवासी प्रतिभा सिंह पत्नी सजंय सिंह के साथ आशा सुपरवाइजर पद पर प्रमिला देवी पत्नी हरिश्चंद्र निवासी धनेजा से सम्बन्ध हो गया था ।प्रतिभा सिंह को शहर में आवास के लिए जमीन की आवश्यकता थी ।प्रमिला ने प्रतिभा से कहा कि मेरे जान पहचान के सुशील सम्राट पुत्र बच्चलाल निवासी शाहपुरा तथा दिलीप कुमार बिंद पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी बिसवा खेतासराय प्लाटिंग का काम करते हैं ।उनसे अच्छी व सस्ती जमीन दिलवा देंगे ।2023 में प्रमिला ने उन दोनों से प्रतिभा को मिलवाया ।उन दोनों ने 16 लाख में एक विस्वा जमीन दिलवाने को कहा ।उन लोगो ने वर्ष 2023 से 13 दिसम्बर 2025 तक कुल 10 लाख 80 हजार रुपये लिया ।उसके बाद उन लोगो से जब प्रतिभा ने जमीन देने को कहा तो वह लोग टालने लगे ।पैसा मांगने पर भी वापस नही कर रहे थे ।22 फरवरी 2026 को जब प्रतिभा ने अपने पैसे को मांगा तब उन लोगो ने मुकदमे में ।फसाने की धमकी दिया ।साथ मे कहा कि दूबारा घर आओगी तो जान से मार देंगे। अंत मे प्रतिभा सिंह की तहरीर लर तीनो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।

जिलाधिकारी ने बाँटे स्थानांतरण के शस्त्र लाइसेंस

जौनपुर जौनपुर, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद) ।जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के हाँथो जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के लगभग एक दर्जन पात्र लोगो को मंगलवार को वरासत स्थानांतरण का शस्त्र लाइसेंस वितरित किया गया । उक्त अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी की मंशा तथा शासन की प्राथमिकता है की किसी पात्र व्यक्ति का कार्य ससमय बिना किसी परेशानी के निस्तारित किया जाय, जिसके क्रम में आज पात्र लोगो को यह लाइसेंस वितरित किया जा रहा है । मुख्य राजस्व अधिकारी,जिला विकास अधिकारी,शस्त्र लिपिक राजेश कुमार यादव सहित तमाम लोग उपस्थित रहे ।

माड़ा में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, पिता और एक साल की मासूम बेटी की दर्दनाक मौत, तीन घायल

सिंगरौली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)।जिले के माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत धनहरा इलाके में सोमवार देर रात एक हृदय विदारक सड़क हादसा हो गया। दो तेज रफ्तार पल्सर बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में एक पिता और उनकी महज एक साल की मासूम बेटी की मौत हो गई। इस भीषण दुर्घटना में तीन अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 11 बजे एक बाइक पर चार लोग सवार होकर धनहरा से माड़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी पल्सर बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पर सवार एक साल की मासूम बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही माड़ा पुलिस की टीम मौके पर पहुँची और घायलों को तत्काल अस्पताल भेजने की व्यवस्था की। बच्ची के पिता की हालत अत्यंत नाजुक थी, उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था; रास्ते में ही पिता ने भी दम तोड़ दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

दुर्घटना में घायल हुए अन्य तीन लोगों को माड़ा पुलिस की मदद से जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उनका सघन उपचार किया जा रहा है।

माड़ा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर स्थिति संभाली और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि फिलहाल पुलिस दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है। उन्होंने आम जन से अपील की है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें, गति पर नियंत्रण रखें और बाइक पर क्षमता से अधिक लोग न बैठें, ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके।

पानी टंकी में लीकेज से ग्रामीणों में आक्रोश, जल जीवन मिशन पर उठे सवाल

सिंगरौली/चितरंगी, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिले के चितरंगी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवपुरवा में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पानी की टंकी में लीकेज की समस्या सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। टंकी से लगातार पानी रिसने के कारण न केवल जल की बबार्दी हो रही है, बल्कि गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता में लापरवाही के चलते योजना का लाभ पूरी तरह नहीं मिल पा रहा है। टंकी में लीकेज होने से सप्लाई प्रभावित हो रही है और कई घरों तक पानी पहुंच ही नहीं पा रहा।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया गया, जिसके कारण टंकी बनने के कुछ समय बाद ही खराब होने लगी। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो समस्या और गंभीर हो सकती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखते हुए कहा है कि टंकी का पुनः गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए। साथ ही निर्माण करने वाले ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उसका भुगतान तत्काल रोका जाए। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से हस्तक्षेप कर मामले की जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

गांव के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। फिलहाल ग्रामीणों की नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है, ताकि उन्हें स्वच्छ और नियमित पेयजल की सुविधा मिल सके।

पोषण वाटिका से बदली स्कूल की तस्वीर, शिक्षक शैलेन्द्र सिंह का नवाचार बना मिसाल

सिंगरौली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंजवार में पदस्थ शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक शैलेन्द्र प्रताप सिंह के नवाचारी प्रयास ने शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव की नई मिसाल पेश की है। उनके नेतृत्व में विद्यालय परिसर में विकसित पोषण वाटिका अब बच्चों के लिए पौष्टिक आहार का महत्वपूर्ण स्रोत बन चुकी है। इस वाटिका में उगाई जा रही ताजी सब्जियां जैसे लौकी, टमाटर, भिंडी, मिर्च और केले का उपयोग सीधे मध्यान्ह भोजन में किया जा रहा है।इसका असर बच्चों के स्वास्थ्य पर साफ दिखाई दे रहा है।पौष्टिक भोजन मिलने से न केवल बच्चों की सेहत में सुधार हुआ है, बल्कि उनकी नियमित उपस्थिति भी बढ़ी है। साथ ही विद्यालय में नामांकन में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।शिक्षकों के अनुसार, पोषणयुक्त आहार मिलने से बच्चों की एकाग्रता बढ़ी है और वे पढ़ाई में अधिक रुचि लेने लगे हैं। कक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ी है, जिससे सीखने के स्तर में भी स्पष्ट सुधार देखा गया है। इस पहल की खास बात यह भी है कि बच्चे स्वयं पौधरोपण और उसकी देखभाल में भाग लेते हैं।

गैस संकट से होटल-ढाबों पर असर, अब लकड़ी-कोयले से चल रहा काम

सिंगरौली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)।जिले के देवसर क्षेत्र में इन दिनों होटल और ढाबा संचालक ईंधन के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। एलपीजी गैस की कमी और प्रशासनिक सख्ती के बाद हालात ऐसे बन गए हैं कि छोटे से लेकर बड़े होटल संचालक भी पारंपरिक तरीकों का सहारा लेने को मजबूर हो गए हैं।पहले कई होटल-ढाबों में घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग व्यावसायिक रूप से किया जा रहा था, जिसे लेकर शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाई, जिससे अब घरेलू गैस का उपयोग लगभग बंद हो गया है। हालांकि, इसके साथ ही कमर्शियल गैस सिलेंडरों की उपलब्धता भी प्रभावित हुई है, जिससे संचालकों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है।

वर्तमान स्थिति यह है कि अधिकांश होटल और ढाबे अब लकड़ी, उपले और कोयले के सहारे भोजन तैयार कर रहे हैं। इससे कामकाज की गति धीमी हो गई है और धुएं के कारण प्रदूषण भी बढ़ रहा है। कई संचालकों का कहना है कि इस व्यवस्था में समय अधिक लगता है और लागत भी बढ़ रही है।

स्थानीय होटल संचालकों का कहना है कि कमर्शियल गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति नहीं हो रही है और उनकी कीमतें भी लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में व्यवसाय चलाना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो कई लोगों को अपना व्यवसाय बंद करना पड़ सकता है।

वहीं, स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि होटल और ढाबा संचालकों के लिए कमर्शियल गैस की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वे नियमों के तहत अपना काम कर सकें और क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण पर भी नियंत्रण पाया जा सके।

पालकी से ससुराल पहुंचा दूल्हा, दुल्हन पालकी में सवार हो चली ससुराल

सोनभद, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। आधुनिक दौर में लग्जरी गाड़ियों में बरात लेकर दूल्हा शान से दुल्हन को लेने पहुंचता है। वहीं सोमवार को सोनभद्र जिले के दुद्धी ब्लॉक के हरपुरा गांव में एक बरात ऐसी भी निकली जिसे देखने के लिए लोग जहां थे वहीं रूक गए। दरअसल, दूल्हा अपनी पुरानी परंपराओं को जीवित रखने के लिए पालकी से बरात लेकर दुल्हन के घर तक पहुंचा। बचपन में काफी लोगों ने सुना होगा कि दादा और नाना की बरात पालकी व बैलगाड़ी से गई थी, जिसमें उन्हें ससुराल पहुंचने में कई दिन का सफर तय करना पड़ा था। वर्तमान समय में

अगर कोई यह कहे कि किसी की बरात पालकी में जाएगी तो लोग यकीन नहीं करेंगे। दुद्धी ब्लॉक के हरपुरा गाँव निवासी मुंन्द्रिका गुप्ता के पुत्र मनोज गुप्ता ने पालकी को आकर्षक ढंग से सजाकर ब्याह रचाने निकल गए। बरात हरपुरा से टड़हे झारखण्ड गांव में पहुंची, जहां वीरेंद्र साव की बेटी तारामणी से शादी हुई।पालकी से बारात गाँव पहुंची तो बरात देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने अपने मोबाइल से दूल्हे और पालकी के साथ इस पल को सेल्फी के माध्यम से कैद किया। झारखण्ड से दुल्हन लेकर मंगलवार जब दूल्हा पालकी से अपने घर लौटा तो पालकी में दुल्हन देख लोग आश्चर्यचकित थे कि आज लोग जहाँ हाइटेक व्यवस्था के साथ शादी कर रहे हैं वहीं ये दूल्हा-दुल्हन एक साथ पालकी से सातों जन्म साथ -साथ रहने की शुरूआत कर रहे हैं।

गाँव में कई वर्षों बाद पुरानी परंपरा पालकी में दुल्हन को देख गाँव में चर्चा का का विषय बनी रही।पालकी में बैठी दुल्हन जिस गांव और चैराहे से निकली वहां लोग देखने के लिए अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए और पालकी में बैठी दुल्हन की पुरानी परम्परा को अपने अपने कैमरे में कैद करते देखें गए।

मुख्य अभियंता का दौरा हवा-हवाई,नहर निर्माण की कच्छप गति किसानों पर पड़ रही भारी

दुद्धी,सोनभद्र, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। दुद्धी तहसील की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शुमार कनहर सिंचाई परियोजना में नहर निर्माण की कच्छप गति अब धीरे-धीरे किसानों पर भारी पड़ने लगी हैं। कनहर बांध के निर्माण हुए करीब तीन साल होने को है लेकिन नहर निर्माण की गति इतनी धीमी है कि अभी तक लगभग 50 प्रतिशत काम भी पूरा नही हों सका है जबकि कनहर सिंचाई परियोजना के चीफ इंजिनियर का दौरा लगातार जारी है। कनहर परियोजना के चीफ हर महीने दो महीने में नहर निर्माण का जायजा लेते ही फिर भी आखिर प्रगति क्यों नही बढ़ रही है, यह सवाल उठना लाजिमी है। कनहर परियोजना से 108 गाँव के किसान लगातार पानी का इंतजार कर रहे है लेकिन नहर का निर्माण नही होने से किसानों के खेतों तक अभी तक पानी नही पहुंच सका है जिससे किसानों में निराशा है।**108 गाँव के किसान कर रहे पानी का इंतजार** -कनहर सिंचाई परियोजना के नहर से दुद्धी और चोपन ब्लॉक के करीब 108 गावों को सिंचाई के लिए पानी देने की योजना है लेकिन अभी तक विभाग द्वारा नहर का निर्माण ही पूरा नही कराया जा सका है जिससे किसान मायूस है।

ठेकेदार के भरोसे नहर निर्माण, नही रहते मौके पर जिम्मेदार- कनहर सिंचाई परियोजना द्वारा भले ही नहर निर्माण कार्य कराया जा रहा है लेकिन सिंचाई विभाग के कोई भी जिम्मेदार मौके पर नही रहते है इसलिए ठेकेदार मनमानी तरीके से कच्छप गति से नहर निर्माण में लगे हुए है। सूत्रों की माने तो जब उच्च अधिकारियों का दौरा होता है तब उससे एक दो पहले जेई, एई एवं एक्सीयन दिखाई देते है। लोगों का कहना है कि नहर का निर्माण जिस गति से चल रहा है यदि वहीं गति चलती रही तो अभी दो-तीन साल और समय लग सकते है।

भौगोलिक कारणों से तेज हो रहा हीट वेव का असर, जनजीवन पर पड़ रहा गहरा प्रभाव

दुद्धी,सोनभद्र, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिले में इस वर्ष गर्मी ने अपेक्षा से अधिक तीव्र रूप ले लिया है और हीट वेव का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। सुबह से ही तेज धूप और दोपहर तक झुलसाने वाली गर्म हवाओं ने आम लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। तापमान में लगातार वृद्धि के कारण स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, कृषि और बिजली व्यवस्था पर दबाव साफ देखा जा रहा है। ह्लपिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार गर्मी ज्यादा तीव्र महसूस हो रही है और इसका असर सीधे दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। सोनभद्र में हीट वेव के बढ़ते प्रभाव के पीछे इसकी भौगोलिक स्थिति अहम भूमिका निभा रही है।यह जिला उत्तर प्रदेश के दक्षिणी छोर पर स्थित है, जिससे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे गर्म क्षेत्रों से आने वाली लू सीधे यहाँ पहुँचती है।यह क्षेत्र कर्क रेखा के पास स्थित होने के कारण सूर्य की किरणें अधिक सीधी पड़ती हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है।विंध्य-कैमूर क्षेत्र की पथरीली सतह दिन में जल्दी गर्म होती है और देर तक गर्मी बनाए रखती है। हीट ट्रैप प्रभावः पहाड़ी संरचना के कारण गर्म हवा क्षेत्र में रुकती है और ठंडी हवाओं का प्रवेश सीमित हो जाता है।जल स्त्रोतों की कमीः नमी की कमी के कारण वातावरण अधिक शुष्क और गर्म हो रहा है।कम हरियालीः खुले भूभाग और सीमित वन क्षेत्र के कारण तापमान को संतुलित करने वाली प्राकृतिक व्यवस्था कमजोर पड़ रही है।

सीआईएसएफ अग्निशमन शाखा द्वारा एनटीपीसी सिंगरौली में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का सफल एवं व्यापक आयोजन

सिंगरौली, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की अग्निशमन शाखा द्वारा एनटीपीसी सिंगरौली में दिनांक 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक ह्लसुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा जागरूक समाज - आग की रोकथाम हेतु सामूहिक प्रयासह्व विषय पर राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सप्ताह भर आयोजित इस व्यापक जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण सत्र, अग्नि सुरक्षा प्रदर्शन, मॉक ड्रिल, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएँ एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में एनटीपीसी सिंगरौली के प्रशासनिक भवन में व्यापक अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्वरित प्रतिक्रिया एवं सुरक्षा उपायों के प्रति प्रशिक्षित एवं जागरूक किया गया। सिंगरौली (शक्तिनगर) स्थित संजीवनी अस्पताल में सीआईएसएफ अग्निशमन टीम द्वारा विशेष अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अग्नि से संबंधित संभावित जोखिमों, उनकी रोकथाम, अग्निशामक यंत्रों के प्रकार एवं उपयोग तथा आपातकालीन निकासी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।सायंकाल कर्मचारी विकास केंद्र (ईडीसी) में इस सप्ताह के समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री सी.एच. किशोर कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती प्रज्ञा नायक, अध्यक्षा (वनिता समाज) उपस्थित रहे। समारोह में श्री रश्मिरंजन मोहंती, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), श्री तरुण दत्ता, सहायक कमांडेंट(अग्नि), सीआईएसएफ, श्री सिद्धार्थ मण्डल, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, वनिता समाज की सम्माननीय सदस्याएं, एनटीपीसी कर्मचारियों के परिवार जन, विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ, यूनियन एसोसिएशन के मानद प्रतिनिधिगण आदि सम्मिलित हुए।इस अवसर पर सीआईएसएफ के जवानों द्वारा अग्नि सुरक्षा विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को जागरूक करने के साथ-साथ सुरक्षा संदेश को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रसारित किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मुहम्मदपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, जनपद आजमगढ़

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में पंचम राज्य वित्त /15वाँ केन्द्रीय वित्त/षष्ट्रम राज्य वित्त/16वाँ केन्द्रीय वित्त/ VBGRAMG / SLWM / ओ०डी०एफ० प्लस सांसद निधि विधायक / एम०एल०सी० निधि, सामुदायिक शौचालय, आपरेशन कायाकल्प पंचायत भवन, मिनी स्टेडियम, विवाह घर, आगनबाड़ी केन्द्र, अन्त्योष्टि स्थल, खडन्ज़ा, नाली, इण्टरलाकिंग रोड, आर०सी०सी० टीनशेड, सीमेंट बेंच, लीचपीट, हैण्डपम्प प्लेट फार्म मरम्मत निर्माण सामाग्री, कम्पोस्ट पिट, नापैड, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, शोक पिट, सिल्ट चेम्बर, यू–टाइप नाली के निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत, सामुदायिक शौचालय मरम्मतव अन्य कार्य सरकारी भवनों पर फारसेलिंग हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यों की निर्माण सामाग्री, जैसे–ईंट, बालू, सरिया, हयूम पाइप, डाला गिट्टी, मिट्टी दुलई, हैण्डपम्म मम्मत रिबोर हेतु स्पेयर पार्टस, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हाईमास्क लाइट, डस्टबिन, सफाई कर्मी किट, वाइल्स, इण्टरलाकिंग ईट, फ्लैक्स बोर्ड, विद्युतीकरण समान, प्रशासनिक मद, व्हील चेयर, इन्वेंटर बैट्री, सी०सी० कैमरा, कम्प्यूटर, स्टेशनरी, ई–रिक्शा, फागिंग मशीन, ठेला गाड़ी, रंगाई, पुताई, सौन्दर्याकरण सामग्री, प्लम्बर एवं सफाई किट की सामाग्री, पंचायत भवन पर सामाग्री, कुसी मेज, आर०ओ० प्लान्ट व अन्य इत्यादि योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य की आपूर्ति कार्यस्थल पर कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म दिनांक 22.04.2026 से दिनांक 28.04.2026 समय दोपहर 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी अपनी दरें तथा वांछित संलग्न बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निविदा दिनांक 28.04.2026 को सायं 04.00 बजे के बाद ग्राम पंचायत के कार्यालय पर खोली जायेगी।

(इकबाल अहमद)
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मुहम्मदपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

(मनीष कुमार यादव)
सचिव/ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत मुहम्मदपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

पत्रांक–मेमो/2026–27 दिनांक 21.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत फैजुल्लाहपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, जनपद आजमगढ़

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में पंचम राज्य वित्त 15वाँ केन्द्रीय वित्त/षष्ट्रम राज्य वित्त/16वाँ केन्द्रीय वित्त/ VBGRAMG / SLWM / ओ०डी०एफ० प्लस सांसद निधि विधायक / एम०एल०सी० निधि, सामुदायिक शौचालय, आपरेशन कायाकल्प पंचायत भवन, मिनी स्टेडियम, विवाह घर, आगनबाड़ी केन्द्र, अन्त्योष्टि स्थल, खडन्ज़ा, नाली, इण्टरलाकिंग रोड, आर०सी०सी० टीनशेड, सीमेंट बेंच, लीचपीट, हैण्डपम्प प्लेट फार्म मरम्मत निर्माण सामाग्री, कम्पोस्ट पिट, नापैड, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, शोक पिट, सिल्ट चेम्बर, यू–टाइप नाली के निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत, सामुदायिक शौचालय मरम्मतव अन्य कार्य सरकारी भवनों पर फारसेलिंग हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यों की निर्माण सामाग्री, जैसे–ईंट, बालू, सरिया, हयूम पाइप, डाला गिट्टी, मिट्टी दुलई, हैण्डपम्म मम्मत रिबोर हेतु स्पेयर पार्टस, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हाईमास्क लाइट, डस्टबिन, सफाई कर्मी किट, वाइल्स, इण्टरलाकिंग ईट, फ्लैक्स बोर्ड, विद्युतीकरण समान, प्रशासनिक मद, व्हील चेयर, इन्वेंटर बैट्री, सी०सी० कैमरा, कम्प्यूटर, स्टेशनरी, ई–रिक्शा, फागिंग मशीन, ठेला गाड़ी, रंगाई, पुताई, सौन्दर्याकरण सामग्री, प्लम्बर एवं सफाई किट की सामाग्री, पंचायत भवन पर सामाग्री, कुसी मेज, आर०ओ० प्लान्ट व अन्य इत्यादि योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य की आपूर्ति कार्यस्थल पर कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म दिनांक 22.04.2026 से दिनांक 28.04.2026 समय दोपहर 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी अपनी दरें तथा वांछित संलग्न बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निविदा दिनांक 28.04.2026 को सायं 04.00 बजे के बाद ग्राम पंचायत के कार्यालय पर खोली जायेगी।

(उषा देवी)
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत फैजुल्लाहपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

(मनीष कुमार यादव)
सचिव/ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत फैजुल्लाहपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

पत्रांक–मेमो/2026–27 दिनांक 21.04.2026

पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट वालों को न मिले पेट्रोल, घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए हो व्यवस्था - सांसद

सांसद की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक संपन्न

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। सांसद राजीव राय की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की त्रैमासिक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी ने बताया कि मार्च 2025 के सापेक्ष सड़क दुर्घटना की संख्या एवं उनमें होने वाली मौतों में मार्च 2026 में गिरावट दर्ज की गई है। मार्च 2025 में कुल 29 सड़क दुर्घटना हुई थी जबकि मार्च 2026 में 27 सड़क दुर्घटना हुई इस प्रकार इसमें 6.8 प्रतिशत की कमी आई है। इसी प्रकार मृतकों में भी 10.5% की कमी दर्ज की गई है। इसके अलावा एआरटीओ सुहेल अहमद ने यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा की गई प्रवर्तन कार्यवाईयों की विस्तृत जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी प्रवीण मिश्रा ने बताया कि सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा दिए गए सुझाव पर अमल के कारण गत कुछ माह में सड़क दुर्घटनाओं एवं उसमें होने वाली मौतों में गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं ओवर स्पीडिंग एवं ड्रंकन ड्राइव के कारण हुई हैं। मृतकों में लगभग 60% 18 से 35 आयु वर्ग के व्यक्ति हैं। माननीय सांसद ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने हेतु मेकैनिज्म तैयार करने को कहा जिससे मौतों की संख्या में कमी लाई जा सके। इसके अलावा पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल न मिले यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश सांसद ने दिए। उन्होंने मुख्य मार्गों पर स्थित स्कूल कॉलेज के आसपास स्पीड ब्रेकर भी बनाने को कहा। सड़क मरम्मत एवं निर्माण कार्यों हेतु उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अवश्य ही प्रस्ताव लेने के निर्देश दिए। इस दौरान वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु पीडब्ल्यूडी द्वारा तैयार कार्य योजना पर भी विस्तृत चर्चा समिति द्वारा की गई।

इस दौरान विधान परिषद सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, विधायक मधुबन रामविलास चौहान, विधायक मुहम्मदाबाद गोहना राजेंद्र राम, विधान परिषद सदस्य विक्रांत सिंह (रिशु), मंत्री के एक शर्मा के प्रतिनिधि, जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र, पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राम प्रवेश सिंह ने निजी जमीन व बाउंड्री से ट्राली ट्रांसफार्मर हटाने की मांग

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिले के विद्युत वितरण खंड प्रथम अंतर्गत नगर क्षेत्र के पुरानी तहसील के पूरब तरफ सहादतपुरा नई बस्ती निवासी राम प्रवेश सिंह के निजी जमीन में ट्राली पर ट्रांसफार्मर रखकर संचालित किया जा रहा है। आपको बता दे कि ट्राली ट्रांसफर एक आपातकालीन व्यवस्था के लिए है।यह ट्राली ट्रांसफार्मर दो वर्ष पूर्व उस समय लगाया गया था जब 400 केवीए का ट्रांसफार्मर जल गया था।वह जला हुआ 400 केवीए का ट्रांसफार्मर 50 मीटर की दूरी पर नए फाउंडेशन पर संचालित हो रहा है। लेकिन अभी तक यह ट्राली ट्रांसफॉर्मर रामप्रवेश सिंह के निजी जमीन/बाउंड्री से नहीं हटाया गया। जिसमें आए दिन स्पार्क होता रहता है और केबिल में आग लगती रहती है।जिससे किसी व्यक्ति की कभी भी जान जा सकती है। वहीं राम प्रवेश सिंह ने बताया कि उक्त समस्या के समाधान हेतु जिलाधिकारी सहित अधीक्षण अभियंता को पूर्व में कई पत्र दिया गया है लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

वहीं उक्त मामले का निरीक्षण करने पहुंचे अधीक्षण अभियंता से पूछा गया तो इन्होंने बताया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा।अब देखना होगा कि कब तक इस समस्या का समाधान होता है।

जिलाधिकारी ने हिट एंड रन मोटर एक्सीडेंट स्कीम 2022 के संबंध में की जूम मीटिंग

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में जूम मीटिंग कलेक्ट्रेट सभागार में आच्छादित पीड़ितों को प्रतिकर प्रदान किए जाने के संबंध में जिला चयन समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद में हिट एंड रन (अज्ञात वाहन से दुर्घटना) के मामलों को चिन्हित कर अधिक से अधिक पीड़ितों को योजना का लाभ दिलाया जाए। साथ ही आमजन को योजना के प्रति जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने पर विशेष बल दिया। बैठक में तहसील सदर के एक तथा तहसील घोसी के दो प्रकरणों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में पीड़ितों/आवेदकों को दावा आवेदन की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत दुर्घटना में मृत व्यक्ति के विधिक प्रतिनिधि अथवा घोर उपहति से पीड़ित व्यक्ति स्वयं आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते दुर्घटना अज्ञात वाहन से हुई हो या चालक दुर्घटना के पश्चात फरार हो गया हो। दावा आवेदन संबंधित उपखंड/ तहसील के दावा जांच अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

पंजीकृत एवं अपंजीकृत समस्त अस्पतालों की जांच कर फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ करें कार्यवाही

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद घोसी राजीव राय की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक के प्रारंभ में समिति के अध्यक्ष ने पिछली बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन की विस्तृत चर्चा की। इस दौरान 100 शैय्या युक्त चिकित्सालय टड़ियांव घोसी में डॉक्टर की शत प्रतिशत उपस्थिति के बारे में सीएमएस के बताए जाने पर उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से उपस्थिति की जांच की। जनपद में फर्जी अस्पतालों के खिलाफ की गई कार्यवाईयों की जानकारी लेते हुए समिति के सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने समस्त पंजीकृत अस्पतालों में फर्जी डॉक्टर के पाए जाने की जांच करने के निर्देश दिए तथा फर्जी डॉक्टर पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने अपर जिलाधिकारी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम का गठन कर जनपद के समस्त अस्पतालों की मानक अनुरूपता की जांच करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सील किए गए अस्पतालों के खिलाफ एफआईआर करने के निर्देश समिति ने दिया। आयुष्मान कार्ड की समीक्षा के दौरान सांसद ने ब्लॉक स्तर पर कैंप लगाकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में समस्त पात्रों का कार्ड बनवाने को कहा। इसके अलावा समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करने अन्यथा की स्थिति में कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान उपभोक्ताओं द्वारा बार-बार स्मार्ट मीटर की शिकायत को देखते हुए सांसद ने बिना उपभोक्ताओं की सहमति से स्मार्ट मीटर न लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई उपभोक्ता इस बात की शिकायत करता है की विभाग द्वारा जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाया गया है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होगी। सांसद में जनपद का सर्वे करते हुए जिन जिन स्थलों पर बॉस बल्ली के सहारे विद्युत वितरण आपूर्ति हो रही है वहां पर बिजनेस प्लान के अंतर्गत खंभे एवं केबल द्वारा कनेक्शन देने को कहा। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने पूर्ण परियोजनाओं का जनप्रतिनिधियों के माध्यम से एक महीने के अंदर लोकार्पण कार्य करने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी द्वारा कसारा कोपागंज के मरम्मत कार्य में बिना कार्य कराए ही भुगतान होने की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए उन्होंने अधिशासी अभियंता को पूरे कार्य के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक मधुबन रामविलास चौहान ने मुहम्मदाबाद गोहना घोसी मार्ग के मरम्मत कार्य की भी मांग की। सांसद ने अधिशासी अभियंता को जनपद में सड़क निर्माण हेतु सभी जनप्रतिनिधियों से प्रस्ताव लेते हुए उसे कार्य योजना में सम्मिलित करने को कहा। गेहूं क्रय केंद्रों पर बोरो की कमी की शिकायत संज्ञान में आने पर उन्होंने डिप्टी आरएमओ को क्रय केंद्रों पर पर्याप्त बोरो की उपलब्ध करने के निर्देश दिए जिससे किसानों को दिक्कत न हो। रेलवे द्वारा पूर्व में निर्मित सईदी रोड के तत्काल उखड जाने पर उन्होंने पहली बार निर्माण के दौरान खर्च हुए बजट की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा। इस दौरान मुहम्मदाबाद विधायक राजेंद्र राम ने मुहम्मदाबाद गोहना रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज बनवाने की मांग की। सांसद खेल प्रतियोगिता के आयोजन पर होने वाले खर्च का भी पूरा ब्यौरा प्रस्तुत करने के निर्देश जिला क्रीड़ा अधिकारी को दिए। डूडा द्वारा कराए जाने वाले कार्यों हेतु उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी अवश्य प्रस्ताव लेने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी जनपद के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समस्त अधिकारी जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर मिलकर काम करें जिससे जिले में विकास कार्यों को गति प्रदान की जा सके। कुछ विभागों की कार्यप्रणाली से नाखुश दिखे सांसद ने ऐसे समस्त अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कार्य प्रणाली में सुधार करने के निर्देश दिए अन्यथा की स्थिति में दिशा की अगली बैठक में उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बैठक के दौरान दिए गए निदेशों एवं निर्णयो का सत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा।

इस दौरान विधान परिषद सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, विधायक मधुबन रामविलास चौहान, विधायक मुहम्मदाबाद गोहाना राजेंद्र राम, विधान परिषद सदस्य विक्रांत सिंह (रिशु), मंत्री एके शर्मा के प्रतिनिधि, जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र, पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि एवं समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं के साथ धोखा, जबरदस्ती थोपे गए प्रीपेड को खत्म कर बहाल करें पोस्टपेड

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर के नाम पर प्रीपेड की व्यवस्था को थोप देना उपभोक्ताओं के साथ एक धोखा नजर आ रहा है। एक तो पहले से ही स्मार्ट मीटर की रीडिंग लोगों की समझ से बाहर है। ऊपर से प्रीपेड भुगतान के नाम पर विद्युत आपूर्ति ठप्प हो जाने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उपरोक्त बातें लघु उद्योग भारती जिला इकाई की बैठक में जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल जायसवाल ने कहा।बैठक के दौरान उद्यमियों ने कहाकि स्मार्ट मीटर के साथ ही प्रीपेड की व्यवस्था करने से लघु उद्योग को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के जल्दबाजी के चलते अफरा तफरी माहौल बना हुआ है। विभाग को पहले स्मार्ट मीटर के विषय में लोगों को संतुष्ट करने के बाद ही इसे अमल में लाया जाना चाहिए। बैठक के दौरान मांग किया गया कि जबरदस्ती थोपे गए स्मार्ट मीटर के नाम पर प्रीपेड व्यवस्था को खत्म कर पुरानी व्यवस्था को बहाल किया जाए। जिला मंत्री नंदकिशोर थरड ने कहा कि कमर्शियल गैस आपूर्ति बाधित हो जाने से इंडस्ट्रियल उसे गतिविधियां तापसी हो गई है धागा जारी के काम में एलपीजी गैस के माध्यम से बॉयलर इत्यादि चलता था लेकिन पिछले डेढ़ महीने से उक्त कार्य बाधित हो गया है ऐसे में उन्होंने मांग किया कि इंडस्ट्रियल उसे के लिए कमर्शियल सिलेंडर या इंडस्ट्रियल औद्योगिक क्षेत्र में एलपीजी पाइप कनेक्शन दिया जाए। जिला मीडिया प्रभारी श्रीराम जायसवाल ने कहाकि परदहा कॉटन मिल की भूमि पर स्थापित किया जा रहे औद्योगिक कॉरिडोर के भूमि आवंटन में नीलामी व्यवस्था कतई ना रखी जाए, इस प्रक्रिया से भूमाफियाओं धनपशुओं को बढ़ावा मिलेगा। जो अनावश्यक जमीन की ऊंची बोली लगाकर जमीन हथियाएंगे। ऐसे में सरकार द्वारा पारदर्शी व्यवस्था के तहत उद्यमियों से प्राप्त किए गए।

वाहन चोरी के मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश बाकर शमीम रिजवी ने वाहन चोरी के मामले में आरोपी सत्यम राय उर्फ बिल्लू की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। प्रभारी जिला जज ने यह आदेश बचाव पक्ष और प्रभारी डीजीसी फौजदारी अजय कुमार सिंह के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पारित किया। मामला दोहरीघाट थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार आजमगढ़ जनपद के रौनापार थाना क्षेत्र के सेठावोली गांव निवासी रामकेश यादव पुत्र स्व. कल्पनाथ यादव की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। वादी का कथन है कि उसके रिश्तेदार की मौत हो गई थी।वह अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए 24 नवंबर 25 को मुक्तिपथ दोहरीघाट गया हुआ था। वहां से उसका वाहन चोरी हो गया। पुलिस ने मोटरसाइकिल कोतवाली घोसी क्षेत्र के अमिला खुर्द निवासी सत्यम राय उर्फ बिल्लू पुत्र विनय राय के पास से बरामद किया। मामले में आरोपी सत्यम राय उर्फ बिल्लू की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई । जिसे सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

दुष्कर्म के मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश बाकर शमीम रिजवी ने शादी का झासा देकर दुष्कर्म करने व धमकी देने के मामले में नामजद आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। प्रभारी जिला जज ने यह आदेश बचाव पक्ष और प्रभारी डीजीसी फौजदारी अजय कुमार सिंह के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पारित किया। मामला कोतवाली घोसी क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार वादिनी मुकदमा को आरोपी शादी के बहाने 16 फरवरी 26 को ले गया। और कोर्ट में कोई लिखा पड़ी नहीं किया। आरोप है कि आरोपी ने वादिनी के साथ शारीरिक संबंध बनाया तथा उसे 5 मार्च 26 को उसके घर से कुछ पहले छोड़ दिया। तथा शादी करने से इंकार कर दिया और उसे धमकी दिया। मामले में आरोपी कोतवाली घोसी क्षेत्र के भटमिला भटौली गांव निवासी सत्यम यादव पुत्र जितेंद्र यादव की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई । जिसे सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

माटी कला से जुड़े उद्यमियों, शिल्पकारों को मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपए का मिलेगा ऋण

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिला ग्राम उद्योग अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि उ० प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा माटीकला बोर्ड का गठन किया गया है। एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु शासन द्वारा सभी जनपदो को लक्ष्य आवंटित किये गए है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को सतत हो रहे नुकसान के परिपेक्ष में प्लास्टिक से निर्मित कप प्लेट आदि के उपयोग को प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके विकल्प के रुप में मिटटी से निर्मित पात्रो का उपयोग एवं उसके औद्योगिक उत्पादन को बढावा देने हेतु कुम्हारी /माटीकला से सम्बन्धित परम्परागत करीगरों को वर्तमान में अपेक्षा के अनुरुप प्रशिक्षित कराते हुए माटीकला उद्योग को बढ़ावा देने का प्राविधान है। जिनकी उम्र 18 वर्ष से 55 वर्ष हो तथा माटीकला का परम्परागत कारीगर एवं वर्तमान में कार्य कर रहे हो एवं माटीकला से जुडे उद्यमियों / शिल्पकारो समूहो एवं समितियों को कामगारो के लिये मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना अन्तर्गत 10 लाख रुपये तक ऋण बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। जिसमें बैंक द्वारा ऋण धनराशि का 95 प्रतिशत एवं उद्यमी का स्वंय का अंशदान 5 प्रतिशत दिये जाने का प्राविधान है। पूँजीगत ऋण के धनराशि पर 25 प्रतिशत तक मार्जिनमनी के रुप में अनुदान स्वरुप प्राप्त होगी रु0 5 लाख से अधिक कर्ज प्राप्त करने के लिये अभ्यर्थियों को कम से कम आठवी कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है आवेदन की अन्तिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय संगीत पैलेश निजामुदीनपुरा एवं मो० नं0 7408410764 7905331603 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

यातायात के नियमों का पालन न करने पर 218 वाहनों का चालान, एक वाहन सीज

मऊ, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)।पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में मंगलवार को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनो व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत 45 टीम गठित कर जनपद के 52 स्थानों पर बदल बदलकर लगभग 1400 सदिग्ध वाहनो/व्यक्तियो को चेक किया। जिसमें यातायात के नियमों का पालन न करने पर 218 वाहनों को विभिन्न धाराओ में चालान एवं 01 वाहनों को सीज किया। साथ ही अन्य लोगों को हिदायत दी गयी तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा सुरक्षित यातायात में सहयोग प्रदान करें।

सतीश चंद्र कॉलेज में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम

बलिया,21अप्रैल,(देवव्रत संवाद)। सतीश चंद्र कॉलेज, बलिया के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत एक सप्ताह तक चलने वाले विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाना और महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार, और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियों में पदयात्रा, मिस्ड कॉल अभियान, नारी शक्ति दीवार एवं हस्ताक्षर अभियान, चित्रकला, रंगोली एवं नाटक प्रतियोगिता शामिल थीं।

कार्यालय ग्राम पंचायत गोसड़ी
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, जनपद आजमगढ़

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचम राज्य वित्त 15वाँ केन्द्रीय वित्त/षष्ट्रम राज्य वित्त/16वाँ केन्द्रीय वित्त/ VBGRAMG / SLWM / ओ०डी०एफ० प्लस सांसद निधि विधायक / एम०एल०सी० निधि, सामुदायिक शौचालय, आपरेशन कायाकल्प पंचायत भवन, मिनी स्टेडियम, विवाह घर, आगनबाड़ी केन्द्र, अन्त्योष्टि स्थल, खडन्ज़ा, नाली, इण्टरलाकिंग रोड, आर०सी०सी० टीनशेड, सीमेंट बेंच, लीचपीट, हैण्डपम्प प्लेट फार्म मरम्मत निर्माण सामाग्री, कम्पोस्ट पिट, नापैड, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, शोक पिट, सिल्ट चेम्बर, यू-टाइप नाली के निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत, सामुदायिक शौचालय मरम्मतव अन्य कार्य सरकारी भवनों पर फारसेलिंग हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यों की निर्माण सामाग्री, जैसे-ईंट, बालू, सरिया, हयूम पाइप, डाला गिट्टी, मिट्टी दुलई, हैण्डपम्प मम्मत रिबोर हेतु स्पेयर पार्टस, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हाईमास्क लाइट, डस्टबिन, सफाई कर्मी किट, वाइल्स, इण्टरलाकिंग ईट, फ्लैक्स बोर्ड, विद्युतीकरण समान, प्रशासनिक मद, व्हील चेयर, इन्वेंटर बैट्री, सी०सी० कैमरा, कम्प्यूटर, स्टेशनरी, ई-रिक्शा, फागिंग मशीन, ठेला गाड़ी, रंगाई, पुताई, सौन्दर्यीकरण सामग्री, प्लम्बर एवं सफाई किट की सामाग्री, पंचायत भवन पर सामाग्री, कुसी मेज, आर०ओ० प्लान्ट व अन्य इत्यादि योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य की आपूर्ति कार्यस्थल पर कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म दिनांक 22.04.2026 से दिनांक 28.04.2026 समय दोपहर 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी अपनी दरें तथा वांछित संलग्न बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निविदा दिनांक 28.04.2026 को सायं 04.00 बजे के बाद ग्राम पंचायत के कार्यालय पर खोली जायेगी।

(राकेश कुमार भारद्वाज)
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत गोसड़ी
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

(जे.पी.)
सचिव/ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत गोसड़ी
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

पत्रांक-मेमो/2026-27 दिनांक 21.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत खालिसपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, जनपद आजमगढ़

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचम राज्य वित्त 15वाँ केन्द्रीय वित्त/षष्ट्रम राज्य वित्त/16वाँ केन्द्रीय वित्त/ VBGRAMG / SLWM / ओ०डी०एफ० प्लस सांसद निधि विधायक / एम०एल०सी० निधि, सामुदायिक शौचालय, आपरेशन कायाकल्प पंचायत भवन, मिनी स्टेडियम, विवाह घर, आगनबाड़ी केन्द्र, अन्त्योष्टि स्थल, खडन्ज़ा, नाली, इण्टरलाकिंग रोड, आर०सी०सी० टीनशेड, सीमेंट बेंच, लीचपीट, हैण्डपम्प प्लेट फार्म मरम्मत निर्माण सामाग्री, कम्पोस्ट पिट, नापैड, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, शोक पिट, सिल्ट चेम्बर, यू-टाइप नाली के निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत, सामुदायिक शौचालय मरम्मतव अन्य कार्य सरकारी भवनों पर फारसेलिंग हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यों की निर्माण सामाग्री, जैसे-ईंट, बालू, सरिया, हयूम पाइप, डाला गिट्टी, मिट्टी दुलई, हैण्डपम्प मम्मत रिबोर हेतु स्पेयर पार्टस, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हाईमास्क लाइट, डस्टबिन, सफाई कर्मी किट, वाइल्स, इण्टरलाकिंग ईट, फ्लैक्स बोर्ड, विद्युतीकरण समान, प्रशासनिक मद, व्हील चेयर, इन्वेंटर बैट्री, सी०सी० कैमरा, कम्प्यूटर, स्टेशनरी, ई-रिक्शा, फागिंग मशीन, ठेला गाड़ी, रंगाई, पुताई, सौन्दर्यीकरण सामग्री, प्लम्बर एवं सफाई किट की सामाग्री, पंचायत भवन पर सामाग्री, कुसी मेज, आर०ओ० प्लान्ट व अन्य इत्यादि योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य की आपूर्ति कार्यस्थल पर कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म दिनांक 22.04.2026 से दिनांक 28.04.2026 समय दोपहर 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी अपनी दरें तथा वांछित संलग्न बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निविदा दिनांक 28.04.2026 को सायं 04.00 बजे के बाद ग्राम पंचायत के कार्यालय पर खोली जायेगी।

(जितेन्द्र)
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत खालिसपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

(रोहित सोनकर)
सचिव/ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत खालिसपुर
विकास खण्ड मुहम्मदपुर, आजमगढ़

पत्रांक-मेमो/2026-27 दिनांक 21.04.2026

मारपीट के बाद हवाई फायरिंग का आरोप, सिपाह गांव में रात भर तैनात रही पुलिस

अहरौला, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जनपद के अहरौला थाना क्षेत्र अंतर्गत सिपाह गांव में मामूली विवाद ने देर रात हिंसक रूप ले लिया। रास्ते पर बाइक खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट और कथित हवाई फायरिंग तक पहुंच गया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया और पुलिस ने रात भर पहरा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिपाह गांव निवासी महेंद्र मौर्य सोमवार दोपहर करीब 2 बजे आंबेडकरनगर के नेवादा बाजार से नलकूप का मोटर बनवाकर बाइक से घर लौट रहे थे। घर के पास बाइक खड़ी करने को लेकर कार सवार दो युवकों से उनकी कहासुनी हो गई। इसके बाद दोनों युवक वहां से चले गए। आरोप है कि देर रात करीब 8.30 बजे डेढ़ दर्जन से अधिक लोग कारों से असलहे के साथ महेंद्र मौर्य के घर पहुंच गए और परिवार की महिलाओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हमलावरों को घेर लिया। इस दौरान आरोपियों ने हवाई फायरिंग करते हुए किसी तरह मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और अहरौला पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गांव में रात भर पुलिस बल तैनात रहा। मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित के साथ थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोग भी थाने पहुंचकर समझौते का दबाव बनाने लगे, लेकिन मामला सुलझ नहीं सका। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि मारपीट का आरोप लगाया गया है, जबकि फायरिंग के कोई ठोस साक्ष्य मौके पर नहीं मिले हैं। अभी तक पीड़ित की ओर से तहरीर नहीं दी गई है, तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम प्रधानों ने कार्यकाल बढ़ाने की किया मांग, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

अहरौला, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जनपद के अहरौला ब्लॉक में ग्राम प्रधानों ने अपने कार्यकाल को लेकर महत्वपूर्ण मांग उठाई है। सोमवार अपराह्न आयोजित प्रधान संघ की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्तमान ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी चुनाव होने तक उन्हें पद पर बनाए रखा जाए। प्रधान संघ अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार यादव के नेतृत्व में खंड विकास अधिकारी के माध्यम से लखनऊ स्थित राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो रहा है, लेकिन चुनाव की तैयारियों को देखते हुए समय पर चुनाव कराए जाने की संभावना कम दिख रही है। प्रधानों ने कहा कि यदि कार्यकाल समाप्त होने के बाद पंचायतों में प्रशासक नियुक्त किए जाते हैं, तो इससे विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी कम हो जाएगी। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की निरंतरता के विपरीत बताया। प्रधान संघ ने मांग की है कि चुनाव संपन्न होने तक वर्तमान प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाए, ताकि ग्राम पंचायतों में विकास कार्य निर्बाध रूप से जारी रह सकें। बैठक में फूलचंद राम, जवाहर राम, बिंद्रेश कुमार, विजय यादव, संग्राम निषाद, संजय यादव, राजेश यादव, परविंदर यादव, प्रसिद्ध राय, शशिकांत राय, रोहित गौड़, मोहम्मद अयूब, राकेश सिंह सहित अन्य ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

8वें वेतन आयोग में शामिल करने की मांग को लेकर पेंशनरों का प्रदर्शन

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर जनपद में पेंशनरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना–प्रदर्शन किया और केंद्र व प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। पेंशनरों का कहना है कि उन्हें आठवां वेतन आयोग की सीमा से बाहर रखा गया है, जिससे उनमें भारी असंतोष व्याप्त है। संगठन ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में कई बार पत्राचार और कार्यक्रम किए गए, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ। प्रदर्शन के दौरान पेंशनरों ने सरकार से मांग की कि वित्त विधेयक 2025 में तिथि के आधार पर किए गए भेदभाव को समाप्त कर पुराने पेंशनरों को भी आठवें वेतन आयोग के दायरे में लाया जाए। साथ ही कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनरों के लिए अलग उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ब्च्) बनाए जाने की मांग उठाई गई। पेंशनरों ने उच्चतम न्यायालय के निर्णय का हवाला देते हुए पुरानी पेंशन योजना (व्ै) बहाल करने, पेंशन पर आयकर समाप्त करने तथा राशिकरण की कटौती 10 वर्ष बाद बंद करने की मांग की।

इसके अलावा 65 वर्ष की आयु के बाद हर पांच वर्ष पर 5 प्रतिशत पेंशन वृद्धि, कोरोना काल के 18 माह के डीए/डीआर एरियर का भुगतान, और वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में 50 प्रतिशत छूट देने की भी मांग की गई। ज्ञापन में आयुष्मान भारत योजना के तहत कैशलेस इलाज की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने तथा महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से अधिक होने पर उसे मूल पेंशन में समाहित करने की मांग भी शामिल रही। पेंशनर नेताओं ने कहा कि ये सभी मुद्दे बुजुर्गों से जुड़े हैं और इनके समाधान में देरी उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से इन मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष रमाकांत सिंह और मंत्री उदयराज यादव के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया।

बढ़ते तापमान को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हीट वेव से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जनपद में बढ़ते तापमान और संभावित लू (हीट वेव) को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा द्वारा आम नागरिकों के लिए विस्तृत स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की गई है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जिले के सभी प्रमुख चिकित्सा संस्थानोंकृ मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, महिला चिकित्सालय, 100 शैय्या अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हीट वेव से निपटने के लिए "कूल वार्ड" स्थापित कर दिए गए हैं। इन वार्डों में दवाएं, पेयजल, शीतलन व्यवस्था और अन्य आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को लू या अत्यधिक गर्मी से संबंधित लक्षण महसूस हों, तो वह तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करे, जहां उपचार की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। अफवाहों से सावधान रहने की अपील– सीएमओ ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित कई जानकारियां भ्रामक हो सकती हैं, इसलिए आमजन केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। क्या करें–दिन में अधिक मात्रा में पानी, ओआरएस, छाछ, लस्सी और नींबू पानी का सेवन करें। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक धूप में निकलने से बचें। हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनें, सिर ढककर रखें। बाहर निकलते समय छाता या गमछा का उपयोग करें। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें। घर में वेंटिलेशन बनाए रखें। लू के लक्षण दिखने पर तुरंत छांव में आराम करें और डॉक्टर से संपर्क करें। क्या न करें–तेज धूप में अनावश्यक बाहर न निकलें। खाली पेट या बिना पानी पिए बाहर न जाएं। भारी, तैलीय और मसालेदार भोजन से बचें। शराब, कैफीन और अत्यधिक ठंडे पेय का सेवन न करें। बच्चों या पालतू जानवरों को बंद वाहन में न छोड़ें। धूप में लंबे समय तक मेहनत वाले कार्य न करें। सीएमओ ने बताया कि संभावित हीट वेव से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है और सभी चिकित्सा इकाइयों को आवश्यक निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सावधानी बरतें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें।

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर सीडीओ की सख्ती वेटलैंड व वृक्षारोपण पर बनी कार्ययोजना

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण, जिला वेटलैण्ड समिति, जिला वृक्षारापेण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के दृष्टिगत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबन्धन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन, ई–अपशिष्ट प्रबन्धन पर प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि जनपद में तमसा नदी में मिल रहे नालों का आयारेमेडियेशन प्रक्रम द्वारा शोधन तथा अशोधित नालों की स्थिति एवं उनके शोधन के सम्बन्ध में कार्ययोजना बनायी जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने डीपीआरओ, राजस्व विभाग एवं वन विभाग को निर्देश दिया कि जनपद के ताल सलोना को रामसर स्थल घोषित कराने हेतु सभी आवश्यक अभिलेख अन्तिम स्तर पर हैं, उस पर जल्द से जल्द आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। जनपद के कुल 1810 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 1479 ग्राम पंचायतों में आर्द्रभूमि समिति क्रियान्वित है। मुख्य विकास अधिकारी ने डीपीआरओ को निर्देश दिया कि शेष 331 ग्राम पंचायतों में समिति के गठन हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने आगामी वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण महाभियान की तैयारी के क्रम में संबंधित विभागों को लक्ष्य के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने निर्देश दिया कि आगामी वृक्षारोपण महाभियान के लिए सभी संबंधित विभाग अपने से संबंधित निर्धारित कार्ययोजना जल्द से जल्द तैयार कर वन विभाग को उपलब्ध करा दें। उन्होने कहा कि वर्ष 2026–27 वृक्षारोपण हेतु आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष भूमि चिन्हांकन, अग्रिम मृदा कार्य, कार्ययोजना आदि की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि वर्ष 2025–26 में कराये गये पौधरोपण के उपरान्त पौधों की सिंचाई, सुरक्षा एवं अनुरक्षण आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होने निर्देश दिया कि वर्ष 2025–26 में कराये गये वृक्षारोपण का डाटा सीएम डैशबोर्ड पर फीडिंग करने हेतु प्रपत्र 37 की सूचना प्रत्येक माह उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि वृक्षारोपण कराये जाने वाले स्थलों पर हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। उन्होने कहा कि आगामी वृक्षारोपण अभियान के दृष्टिगत किसी भी वृक्षारोपण स्थल पर अतिक्रमण नही होना चाहिए। जिला गंगा समिति की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनपद में एक नदी को चिन्हित करते हुए नदी श्रोतों से लेकर बड़ी नदी में मिलने तक संयुक्त रूप से प्रवाह को सुगम बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को नदियों को साफ रखने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ ही अन्य आवश्यक कार्यवाही की जाए। बैठक में डीएफओ आकांक्षा जैन, मुख्य राजस्व अधिकारी संजीव ओझा, उपायुक्त मनरेगा राम उदरेज यादव, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 उमाशरण पाण्डेय, डीपीआरओ पवन कुमार, उप कृषि निदेशक आशीष कुमार, एक्सीयन जल निगम नगरीय, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 पंकज कुमार, उप जिलाधिकारी/ईओ नगर पालिका आजमगढ़ भुपाल सिंह, एक्सीयन पीडब्ल्यूडी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल टॉपर साक्षी यादव का अधिकारियों ने किया सम्मान

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिले में सीबीएई हाईस्कूल परीक्षा 2026 के परिणाम में सर्वोदय पब्लिक स्कूल की छात्रा साक्षी यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर आजमगढ़ मंडल में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से जनपद एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ है। इस उत्कृष्ट सफलता पर मंगलवार को आयोजित एक सम्मान समारोह में जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार तथा न्यूरोसर्जन डॉ. अनुप यादव ने संयुक्त रूप से साक्षी यादव को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएम रवीन्द्र कुमार ने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि लगन और समर्पण से किया गया कार्य हमेशा व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. अनुप यादव ने साक्षी यादव को उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्कृष्ट योगदान हेतु पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन आमंत्रित

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2027 के अवसर पर दिए जाने वाले प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में उत्तर प्रदेश शासन की ओर से जनपद स्तर पर भी आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) राहुल विश्वकर्मा ने जनपद के सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने–अपने क्षेत्रों से ऐसे व्यक्तियों के नाम प्रस्तावित करें, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट एवं उत्कृष्ट योगदान दिया हो। प्रस्तावित नामों के साथ संबंधित व्यक्तियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विस्तृत विवरण (साइटेशन) दो प्रतियों में निर्धारित प्रारूप पर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यह संस्तुतियां 20 जून 2026 तक उपलब्ध कराई जानी हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) राहुल विश्वकर्मा ने स्पष्ट किया है कि समाज सेवा, कला, साहित्य, शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, खेल, लोक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों के नाम प्राथमिकता के आधार पर भेजे जाएं, ताकि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा सके। जनपद प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों से समयबद्ध तरीके से प्रस्ताव भेजने की अपील की है, ताकि योग्य व्यक्तियों को राष्ट्रीय सम्मान दिलाया जा सके।

प्रेमी से शादी की जिद में युवती मोबाइल टॉवर पर चढ़ी, घंटों मशक्कत के बाद पुलिस ने उतारा

फूलपुर, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिले जनपद के सरायमीर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवती द्वारा मोबाइल टॉवर पर चढ़ने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रेमी से शादी की जिद को लेकर 19 वर्षीय युवती नंदाव मोड़ स्थित टॉवर पर चढ़ गई, जिससे मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और काफी देर तक समझाने–बुझाने के बाद युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। इसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस के अनुसार, युवती का दीदारगंज थाना क्षेत्र के नंदाव गांव निवासी एक युवक से लंबे समय से प्रेम संबंध था। दोनों अलग–अलग समुदाय से हैं, जिसके चलते युवती के परिजन इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे। बताया गया कि करीब तीन महीने पहले युवती अपने प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों को बरामद कर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया था। बाद में युवक जमानत पर रिहा हो गया। सूत्रों के मुताबिक, युवक के जमानत पर छूटने की जानकारी मिलते ही युवती दोबारा उससे शादी करने की जिद पर अड़ गई। परिजनों के विरोध से नाराज होकर उसने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और युवती से पूछताछ जारी है।

पोषण एवं कन्वर्जेंस समिति की बैठक में कुपोषण मुक्ति पर विशेष जोर

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना की अध्यक्षता में जिला पोषण एवं जिला कन्वर्जेंस समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में पोषण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कुपोषण मुक्त अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी सीडीपीओ की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा पात्र लाभार्थियों तक समय से पोषण आहार का वितरण कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पोषण आहार की मांग समय से शासन को भेजी जाए और 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों का वजन, गृह भ्रमण एवं अन्य गतिविधियों की रिपोर्ट पोषण ट्रैकर ऐप पर समय से अपलोड की जाए। बैठक में गंभीर कुपोषित बच्चों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि शत–प्रतिशत बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें इस श्रेणी से बाहर निकालने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। साथ ही निर्धारित रोस्टर के अनुसार ऐसे बच्चों को एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) में भर्ती कराने पर जोर दिया गया। सीडीओ ने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर 'हॉट कुक्ड मील' योजना के तहत बच्चों को मेन्यू के अनुसार गर्म भोजन उपलब्ध कराया जाए। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए गए।बैठक में उपायुक्त मनरेगा राम उदरेज यादव, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमाशरण पांडेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी हेमंत सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है लक्ष्य

निःशुल्क नेत्र शिविर में 150 मरीजों की जांच, 20 मोतियाबिंद मरीज ऑपरेशन हेतु वाराणसी भेजे गए

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के उद्देश्य से कार्य कर रहे सामाजिक संगठन लॉज फ्रेंडशिप ऑन तमसा के तत्वावधान में मंगलवार को रोहुआ मुस्तफाबाद स्थित ईशान पब्लिक स्कूल में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर उन्हें ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया। शिविर में कुल 150 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिनमें से 20 मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए। चयनित मरीजों को तत्काल ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण के लिए वाराणसी स्थित आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल भेजा गया। मरीजों के आवागमन, भोजन एवं अन्य सुविधाओं की निःशुल्क व्यवस्था संगठन द्वारा सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही विद्यालय के छात्र–छात्राओं का भी नेत्र परीक्षण किया गया, जिसमें कई बच्चे नेत्र रोग से ग्रसित पाए गए। उन्हें आवश्यक परामर्श और दवाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ ख्यातिलब्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डा. भक्तवत्सल, समाजसेवी सुदर्शन दास अग्रवाल, अध्यक्ष राकेश अग्रवाल एवं अशोक अग्रवाल द्वारा फीता काटकर किया गया। विद्यालय के प्रबंधक अशोक श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन एवं विद्यालय परिवार द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी सुदर्शन दास अग्रवाल को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। डा. भक्तवत्सल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है और भविष्य में भी ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। वहीं अध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने भी सामाजिक सेवा के इस अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संजय श्रीवास्तव, अनिल गौर, डॉ. सी.के. त्यागी, रवि जायसवाल, विजय अग्रवाल, डॉ. दिव्यांश सहित कई लोगों का योगदान रहा।

नीमा प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक व यूनानी अधिकारी से किया मुलाकात

आजमगढ़, 21 अप्रैल (देवव्रत संवाद)। जिले में नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) के प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राजेश कुमार यादव से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और अपनी कार्यकारिणी से परिचय कराया। इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार यादव ने नीमा के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि जनपद के अधिक से अधिक आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सकों को संगठन से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी भी चिकित्सक को समस्या होने पर वे हर संभव सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे। साथ ही आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए नीमा चिकित्सकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की। नीमा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. डी.डी. सिंह ने बताया कि आजमगढ़ में संगठन से जुड़े लगभग 470 चिकित्सक सक्रिय हैं और संगठन लगातार विस्तार की दिशा में कार्य कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल में संरक्षक डॉ. वी.के. सिंह, पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजीम अहमद, अध्यक्ष डॉ. मनीष राय, सचिव डॉ. विनोद कश्यप, कोषाध्यक्ष डॉ. मनीष चौबे, पूर्व सचिव डॉ. अबु शहमा खान, पूर्व संयुक्त सचिव डॉ. फहीम रजा खान, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. सैगल प्रसाद यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।